वर्ष : 17 ❖ अंक : 53 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शनिवार, 24 सितम्बर 2022

शिक्षों के खाली पदों को जल्दी भरे : सीएम नीतीश 3

मोदी के भाषणों पर आधारित पुस्तक का वेंकैया नायडू ने किया विमोचन 8

शिक्षा से अच्छे संस्कार लें छात्र : मंत्री सुब्बा

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 23 सितम्बर । गेजिंग जिलान्तर्गत यांगथांग विधानसभा के लिंगचोम सीनियर सेकेण्डरी स्कूल की एक रंगशाला का आज स्थानीय विधायक व राज्य के जलस्रोत मंत्री भीम हांग सुब्बा ने रिबन काट कर उद्घाटन किया। गौरतलब 1950 में स्थापित लिंगचोम स्कूल के कई पूर्व विद्यार्थियों द्वारा गठित स्कूल कल्याण संघ द्वारा इस रंगशाला का निर्माण करा कर स्कूल प्रबंधन को उपहारस्वरूप प्रदान किया गया है। आज लिंगचोम स्कूल प्रबंधन एवं स्कूल कल्याण संघ द्वारा एक विशेष कार्यक्रम के तहत इस रंगशाला की शुरुआत की गयी।

इस अवसर पर लिंगचोम सीनियर सेकेण्डरी स्कूल को सहयोग प्रदान करने वाले स्थानीय जिला पंचायत सदस्य सनमति सुब्बा, पूर्व जिला पंचायत अंजू शर्मा, वर्तमान जिला पंचायत सभापति फुलमान लिम्बू, पंचायत उप-सभापति पदम पांडे, पंचायत सदस्य छिरिंग छोपेल भूटिया, तिंगजोंगा सुब्बा, माला गुरुंग एवं जीआरएस विश्व हांग लिम्बू का अभिनंदन किया गया।

वहीं इस उद्घाटन समारोह में स्कूल में 25 वर्षों तक शिक्षक के तौर पर सेवा प्रदान करने वाले दो शिक्षकों कपिल मणि शर्मा एवं विष्णु कुमार सुब्बा के अलावा सफाई कर्मचारी डम्बर बहादुर छेत्री को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र रहे स्कूल की दसवीं कक्षा के छात्रों द्वारा तैयार एक मिनी पावर हाउस का भी आज उद्घाटन हुआ। इसे स्कूल के दो शिक्षकों प्रवीण शर्मा तथा सांगर गुरुंग के मार्गदर्शन में छात्रों ने तैयार किया है जिससे 12 वोल्ट तक की बिजली तैयार की जा सकेगी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मंत्री सुब्बा ने यहां अपने सम्बोधन में लिंगचोम सीनियर सेकेण्डरी स्कूल तथा स्कूल कल्याण संघ की प्रशंसा करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में इस संस्थान के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ ही अच्छे संस्कार हासिल करने का भी आग्रह किया। उन्होंने शिक्षकों के साथ ही अभिभावकों को भी अपने बच्चों के भविष्य के प्रति चिंतित रहने को

जरूरी बताया। साथ ही उन्होंने शिक्षा क्षेत्र के विकास में राज्य सरकार के विभिन्न कदमों की चर्चा करते हुए लिंगचोम स्कूल की बेहतरी हेतु भविष्य में अपना हर सम्भव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

इससे पहले स्कूल कल्याण संघ की ओर से शिक्षक कपिल मणि शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। उसके पश्चात स्कूल के प्रधानाचार्य यांगदेन सिक्मो ने स्कूल का वार्षिक प्रतिवेदन पेश करने के साथ ही विद्यार्थियों की शैक्षणिक योग्यता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने स्कूल की रंगशाला निर्माण एवं मार्गदर्शन हेतु कल्याण संघ को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में जिला शासक यिसे डी योंग्दा, पूर्व विद्यार्थी पद्मश्री केदार गुरूंग, मुख्यमंत्री के पश्चिम जिला अतिरिक्त राजनीतिक सचिव मधुसूदन शर्मा, सिडिको अध्यक्ष जनक गुरूंग, एसपी मांगयुंग, डीआईओ साइमन सुब्बा, आभियांत्रिकी अध्यक्ष हरिनारायण सुवेदी, अतिरिक्त शिक्षा निदेशक व विद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य के अलावा कई अन्य पूर्व विद्यार्थी, छात्र, उनके अभिभावक एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पर्यटन का राज्य के आर्थिक विकास में प्रमुख योगदान : उप्रेती

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 सितम्बर । राज्य के पर्यटन व नागरिक उड्डयन विभाग द्वारा स्थानीय सेलेप टैंक स्थित सोनम ग्याछो माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट में आयोजित टूरिस्ट गाइडों के सप्ताहव्यापी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस अवसर पर सिक्किम विधानसभा अध्यक्ष अरुण उप्रेती मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे।

यहां अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि उप्रेती ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन पर बधाई देते हुए कहा कि पर्यटन क्षेत्र की राज्य की अर्थव्यवस्था में प्रमुख स्थान है। ऐसे में इसके विकास हेतु ऐसे प्रशिक्षण महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने प्रशिक्षुओं से पर्यटन क्षेत्र के बढ़ावे हेतु नये-नये विचार अपनाने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने शिविर के क्वालीफाइड प्रशिक्षुओं को प्रमाणपत्र एवं पहचान पत्र प्रदान किये।

वहीं कार्यक्रम में पर्यटन व नागरिक उड्डयन विभाग की विशेष सचिव कर्मा डोमा युत्सो ने अपनी तरह के पहले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने हेतु विधानसभा अध्यक्ष एवं आयोजकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने इस प्रकार के आयोजन से पर्यटन क्षेत्र में पेशेवर रूख आने का जिक्र किया।

ज्वॉयंट एडवेंचर डायरेक्टर काजी शेर्पा ने कहा कि सप्ताहव्यापी प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी छह जिलों से कुल 84 प्रशिक्षुओं ने हिस्सा लिया। उनके अनुसार राज्य में एडवेंचर पर्यटन के बढ़ावे हेतु इसका आयोजन किया गया।

इससे पहले पर्यटन व नागरिक उड्डयन संयुक्त सचिव एमपी राई ने स्वागत भाषण दिया। वहीं कार्यक्रम का संचालन विभाग के मीडिया सलाहकार लक्ष्मी प्रसाद शर्मा ने किया।

उल्लेखनीय है कि यह प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद प्रशिक्षु सरकार द्वारा पंजीकृत टूर गाइड, ट्रैकिंग इंचार्ज, ट्रैकिंग गाइड एवं ट्रैकिंग कुक बन सकते हैं।

भारत को टीबी मुक्त बनाने में सभी दें योगदान : राज्यपाल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 सितम्बर । आज राजभवन में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद , स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के मंत्री डॉ मणि कुमार शर्मा, आयुक्त सह सचिव डी आनंदन, प्रधान सचिव, अधिकारी,विभिन्न कंपनी के प्रतिनिधि एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान 9 सितम्बर को राष्ट्रव्यापि तौर पर 2025 तक देश से क्षय रोग उन्मूलन के मिशन को पूरा करने के उददेश्य से शुरु किया गया कार्यक्रम है, जिसका राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने शुभारंभ किया था।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य एक सामाजिक दृष्टिकोण की आवश्यकता को उजागर करना है जो 2025 तक देश से टीबी को खत्म करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सार्वजनिक आंदोलन में सभी क्षेत्रों के लोगों को एक साथ लाता है।

इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने सभी से निक्षय 2.0 पोर्टल पर पंजीकरण कर जन आंदोलन में भाग लेने और इसका हिस्सा बन

भारत को क्षय मुक्त के लक्ष्य प्राप्ति के लिए अपना योगदान प्रदान करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने जिंदगी रहते रक्तदान एवं मृत्यु पश्चात अंगदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह सभी बुद्धिजीवियों का परम कर्तव्य है कि मानवता के लिए आगे आएं और सिक्किम को 2025 से पहले ही क्षय मुक्त राज्य का अव्वल दर्जा प्रदान कराए।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के मंत्री डॉ एमके शर्मा ने भी सिक्किम में टीबी के आंकड़े पर प्रकाश डालते हुए सभी हितधारकों से एकजुट होकर इस दिशा में कार्य करने का आह्वान किया और कहा कि आइये ,सब मिलकर जोर लगाएं, भारत को टीबी मुक्त राष्ट्र बनाएं।

सीएम ने की संभावित निवेशकों के साथ बैठक

अनुगामिनी नि.सं.

गंगटोक, 23 सितम्बर । सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने आत मितोकगांग में राज्य में संभावित निवेश के इच्छुक कुछ निवेशकों के साथ एक बैठक की।

इस दौरान राज्य में क्लस्टर, उद्यमिता विकास कार्यक्रम तथा सूक्ष्म व लघु उद्योग विकास से सम्बंध में राज्य के उद्योग व वाणिज्य विभाग और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एमएमएमई, हैदराबाद के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किये गये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस बैठक में देश के विभिन्न राज्यों के अलावा विदेश से भी आये कुल 24 निवेशकों ने शिरकत की। इनलोगों ने राज्य में रियल एस्टेट, एम्यूजमेंट पार्क, आवासीय विद्यालय तथा कॉफी प्लांटेशन आदि के क्षेत्र में रूचि दिखाते हुए करीब 1000 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव दिये। मुख्यमंत्री गोले ने इन प्रस्तावों का

स्वागत करते हुए इसे राज्य के लिए बेहतर बताते हुए इसके कार्यान्वयन हेतु अपना हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।

सिक्किम पब्लिक डिमांड रिकवरी (संशोधन) अधिनियम लागू

अनुगामिनी नि.सं.

गंगटोक, 23 सितम्बर । सदन के भीतर और बाहर विरोध के स्वरों के बीच भी राज्य सरकार के सिक्किम पब्लिक डिमांड रिकवरी (संशोधन) अधिनियम को राज्यपाल गंगा प्रसाद ने मंजूरी दे दी। इस विधेयक को मंजूरी मिलने के बाद अब जिलाधिकारी सिक्किम राज्य बैंक से कर्ज लेकर नहीं लौटाने वालों पर कार्रवाई कर सकेंगे। राज्यपाल गंगा प्रसाद ने इसे 25 अगस्त को ही मंजूरी प्रदान कर दी थी इसे 19 सितंबर से लागू कर दिया गया है।

अब राज्य सरकार के कानून विभाग के गजट में प्रकाशित होन के साथ ही यह विधेयक पूरी तरह से लागू हो जाएगा और सिक्किम राज्य बैंक से कर्ज लेकर नहीं चुकाने वालों की संपत्ति कुर्क करने का अधिकार राज्य सरकार को प्राख्त हो जाएगा। 23 अगस्त को सिक्किम विधानसभा में बहुमत से इस बिल को पारित किया गया था।

अब उन लोगों को ट्रैक करना आसान होगा जिन्होंने सिक्किम स्टेट बैंक से ऋण लिया है और बकाया नहीं चुकता कर रहे हैं। इससे

एसबीएस के ऋण चूककर्ताओं पर लगेगा जुर्माना

सिक्किम स्टेट बैंक को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिसंबर 2020 के अंत तक 2342 लोग थे जिन्होंने सिक्किम स्टेट बैंक से कर्ज लेकर इसे चुकता नहीं किया था। इससे पहले, मजबूत कानूनों और विनियमों की कमी के कारण, राज्य सरकार कहती आ रही थी कि बकाया वसूली में दिक्कत आती है। राज्य सरकार ने इस पर कड़ा कानून बनाने का वादा किया था।

पिछली सरकार के दौरान, एसबीएस से लिए गए अत्यधिक ऋण लेने वालों और चूक करने वालों की संख्या बहुत अधिक थी, लेकिन एसबीएस के पास ऋणों की वसूली का प्रावधान नहीं था, इसलिए ऋण की वसूली के लिए कानून में संशोधन किया गया है। इसके तहत कर्ज लेकर नहीं चुकाने वालों की संपत्ति कुर्क की जा सकती है और इसके लिए अंतिम अपील अधिकारी भी जिलाधिकारी होंगे।

सिक्किम सरकार के दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए, प्रभारी मंत्री कुंगा नीमा लेप्चा ने संशोधन विधेयक पेश करते हुए कहा था कि सिक्किम पब्लिक डिमांड रिकवरी एक्ट, 2006 के तहत, विभिन्न सरकारी भुगतान करने में विफल रहने वाले व्यक्तियों से सख्ती से निपटा जाएगा।

हालांकि कानून 2006 में अधिनियमित किया गया था, लेकिन इसे प्रभावी बनाने के लिए कोई संशोधन नहीं लाया गया था और विधानसभा ने पिछले अगस्त में सिक्किम पब्लिक डिमांड रिकवरी एक्ट, 2006 में संशोधन को मंजूरी दे दी।

'अर्बन नक्सलियों' ने सालों रोका सरदार सरोवर बांध का काम : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 23 सितम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राजनीतिक समर्थन प्राप्त शहरी नक्सलियों व विकास विरोधी तत्वों'' ने गुजरात में नर्मदा नदी पर सरदार सरोवर बांध के निर्माण को कई वर्षों तक रोके रखा और यह कहते हुए अभियान चलाते रहे कि यह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाएगा। प्रधानमंत्री ने विभिन्न राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों से आग्रह किया कि सुनिश्चित करें कि व्यवसाय को सुगम बनाने या जीवन को आसान बनाने वाली परियोजनाओं को केवल पर्यावरण के नाम पर अनावश्यक रूप से रोका ना जाए।

पीएम मोदी ने कहा कि ऐसे 'शहरी नक्सली' अब भी सक्रिय हैं और पर्यावरण के नाम पर विकास परियोजनाओं को बाधित करने के लिए विभिन्न संस्थान उनका समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकारों से ऐसे लोगों की साजिशों से निपटने'' के लिए पर्यावरण संबंधी मंजूरी देने के वास्ते संतुलित दृष्टिकोण अपनाने को कहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार यानी आज गुजरात में नर्मदा जिले के एकता नगर में राज्यों के पर्यावरण मंत्रियों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए उद्घाटन किया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, राजनीतिक समर्थन प्राप्त शहरी नक्सलियों व विकास विरोधी तत्वों ने गुजरात में नर्मदा नदी पर सरदार सरोवर बांध के निर्माण को कई वर्षों तक रोके रखा और यह कहते हुए इसके खिलाफ अभियान चलाते रहे कि यह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाएगा। इस विलंब के कारण भारी धन राशि का नुकसान हुआ। अब जब बांध बनकर तैयार है, तो आप देख सकते हैं कि उनके दावे कितने खोखले थे।

मोदी ने कहा कि इस परियोजना के पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के दावे के विपरीत, बांध के आसपास का क्षेत्र अब पर्यावरण प्रेमियों के लिए एक 'तीर्थ क्षेत्र' बन गया है। मोदी मशहूर 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' और इस 182 मीटर ऊंचे स्मारक के आसपास बने प्रतिष्ठित पर्यटक आकर्षणों जैसे जंगल सफारी, फूलों की घाटी आदि का जिक्र कर रहे थे। नक्सलवाद के प्रति सहानुभूति रखने वालों के साथ-साथ कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए कुछ राजनीतिक खेमे अक्सर 'शहरी नक्सली' (अर्बन नक्सल) शब्द का इस्तेमाल करते हैं।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पिछले महीने आरोप लगाया था कि 'शहरी नक्सलियों' ने राज्य तथा कच्छ क्षेत्र को पानी व विकास से वंचित करने के लिए सरदार सरोवर बांध के निर्माण का विरोध किया था। उन्होंने सामाजिक कार्यकर्ता एवं नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता मेधा पाटकर को 'शहरी नक्सली' करार दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रियों को आगाह करते हुए कहा कि ये शहरी नक्सली अब भी सक्रिय हैं और पर्यावरण के नाम पर विकास परियोजनाओं को बाधित करने के लिए विभिन्न संस्थान उनका समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ये लोग न्यायपालिका और विश्व बैंक तक को प्रभावित कर परियोजनाओं को बाधित करते हैं। मैं आप लोगों से आग्रह करता हूं कि व्यवसाय को सुगम बनाने या जीवन को आसान बनाने वाली परियोजनाओं को केवल पर्यावरण के नाम पर अनावश्यक रूप से न रोका जाए। पीएम मोदी ने कहा, राज्यों को ऐसे लोगों की साजिशों से निपटने के लिए पर्यावरण संबंधी मंजूरी देने के वास्ते संतुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

विभिन्न परियोजनाओं को पर्यावरण संबंधी मंजूरी मिलने में विलंब पर नाखुशी जताते हुए मोदी ने कहा कि मंजूरी जल्दी दिए जाने पर ही तेजी से विकास होगा। इसे बिना किसी समझौते के किए जाना चाहिए। उन्होंने कहा, करीब छह हजार पर्यावरण संबंधी मंजूरी के आवेदन और करीब 6500 वनीय मंजूरी के आवेदन विभिन्न राज्यों में लंबित हैं। जैसा कि आप सभी को पता है, ऐसे विलंब से परियोजना की लागत बढ़ती है। हम सभी को इसमें लगने वाले समय को कम करने की जरूरत है। केवल जिसकी जरूरत हो, उसे ही लंबित रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण मंजूरी देने की प्रक्रिया में तेजी लाना आर्थिक व पर्यावरण

दोनों क्षेत्रों के लिए अच्छा होगा।

पीएम मोदी ने हाल ही में दिल्ली में बनाई गई प्रगति मैदान टनल का जिक्र किया, जिससे वहां यातायात बेहतर हुआ है। उन्होंने कहा, इस टनल का इस्तेमाल करके हर साल वाहन करीब 55 लाख लीटर ईंधन बचा रहे हैं। उन्होंने कहा, इससे कार्बन उत्सर्जन में 13,000 टन की कमी आई है। इसके लिए अन्यथा छह लाख पेड़ों की जरूरत पड़ती। फ्लाईओवर, सड़कें और रेलवे संबंधी परियोजनाएं कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद करती हैं। पर्यावरण संबंधी मंजूरी देते समय इन पहलुओं को भी ध्यान में रखना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर वन कर्मियों को प्रशिक्षण देने, जंगल में आग लगने की घटनाओं से निपटने के तंत्र को मजबूत करने, सूखे पत्तों जैसे जंगल के कचरे का उपयोग करके औद्योगिक ईंधन का उत्पादन करने और बेहतर परिणाम के लिए सहभागी एवं एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने पर भी जोर दिया। उन्होंने राज्यों से खराब एवं पुराने सरकारी वाहनों को कबाड़ में बदलकर केंद्र की वाहन कबाड़ नीति को लागू करने का आह्वान किया, ताकि यह प्रक्रिया शुरू की जाए।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं चाहता हूं कि राज्य, जितना संभव हो सके, अपने सरकारी वाहनों में जैव ईंधन का उपयोग करके जैव-ईंधन नीति को अमल में लाना शुरू करें। हमें नीतियों को अपनाने और उन्हें जमीनी स्तर पर लागू करने की जरूरत है। ईंधन में इथेनॉल मिलाने से किसानों को भी मदद मिलेगी क्योंकि उनके खेत का कचरा उनके लिए आय का स्रोत बन जाएगा। मोदी ने राज्यों से संसाधनों के अनुकूल उपयोग वाली अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकोनॉमी) को बढ़ावा देने अपील की, जिससे उनके मुताबिक देश को बेहतर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में और एकल उपयोग वाले प्लास्टिक को खत्म करने में मदद मिलेगी।

दार्जिलिंग क्षेत्र में मोबाइल सम्पर्क में सुधार की कवायद शुरु

अनुगामिनी नि.सं.

कालिम्पोंग, 23 सितम्बर । सांसद राजू बिस्ट के द्वारा पहाड़ों में हो रही मोबाइल नेटवर्क की समस्या को केंद्र कर हाल में दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात के बाद इस क्षेत्र में लगातार प्रगति हो रही है। दूरस्थ क्षेत्रों में नेटवर्क और मोबाइल कनेक्टिविटी में सुधार के लिए हाल ही में सांसद ने चल रही दूरसंचार परियोजनाओं, योजनाओं और बुनियादी ढांचे के विकास की पहल का जायजा लेने के लिए जिला दूरसंचार सलाहकार समिति की बैठक की थी।

उसमें उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला था कि क्षेत्र में कितने स्थान अभी भी इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी से वंचित हैं। जिसके बाद, दूरसंचार विभाग क्षेत्र में मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं के भौतिक मूल्यांकन के लिए दार्जिलिंग और कालिम्पोंग जिलों का दौरा करने के लिए विभाग टीम भेजने पर सहमत हुआ था। सांसद ने विभाग से आने वाली टीम से उन शिकायतकर्ताओं और संगठन से मिलने का भी अनुरोध किया था जिन्होंने कनेक्टिविटी के मुद्दों पर उन्हें लिखा था।

उनके अनुरोध के बाद केन्द्र के डीओटी की दोनों टीमों ने 19 सितंबर से अपना दौरा शुरू किया और पूरे क्षेत्र का सर्वेक्षण पूरा कर लिया है। टीम ने दार्जिलिंग जिले में मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं के भौतिक मूल्यांकन के लिए के मिलिकथुंग, खरबानी, छोटाकोठी, धुसेनी, टिंगलिंग, पिप्लेबोटी, नोल्डारा, पोखरिबोंग, सुमरीपानी टॉपलाइन, संगमा, संगमा सिरुबारी, संगमा बिचगांव, संगमा टॉपलाइन, बिजनबाड़ी लोधोमा, माझिटार, जैसे विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया। इन जगहों पर नेटवर्किंग और इंटरनेट कनेक्शन के मुद्दों को हल करने के लिए उचित कदम उठाने का आश्वासन भी दिया गया।

सांसद ने उन लोगों का बहुत आभार जताया जिन्होंने इन दूरस्थ और दूरदराज के क्षेत्रों में इन विज़िटिंग टीम का मार्गदर्शन किया और शिकायतकर्ताओं के साथ बैठक आयोजित करने में मदद की। वही बिष्ट ने दार्जिलिंग और कालिम्पोंग के लोगों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव को धन्यवाद दिया।

भूटान में 30 माह बाद बॉर्डर खुले, हर दिन देना होगा टैक्स

एंट्री के नियमों में भी बदलाव

अनुगामिनी नि.सं.

सिलीगुड़ी, 23 सितम्बर । भूटान ने विदेशियों के लिए अपनी सीमाएं खोल दी हैं। तकरीबन 30 महीने बाद भूटान की सरजमीं विदेशियों के लिए खोली गई है। कोरोना महामारी के कारण भूटान ने बाहरी लोगों के लिए एंट्री बैन कर रखी थी। शुक्रवार को इन प्रतिबंधों के हटने के बाद भूटानी नागरिक भी सीमा पार जा सकते हैं। हालांकि इस बार भूटान सरकार ने विदेशियों के लिए खास नियम जारी किए हैं। जिसमें एंट्री पर प्रतिदिन शुल्क देना अनिवार्य होगा। साथ ही एंट्री से पहले ऑनलाइन आवेदन जरूरी होगा। एंट्री के वक्त पहचान पत्र के रूप में आधार कार्ड से काम नहीं चलेगा।

भारत समेत दुनिया के कई देशों के लोगों के लिए भूटान हमेशा घूमने की पसंदीदा जगह रहा है। शुक्रवार को भूटान घूमने की इच्छा रखने वालों के लिए अच्छी खबर आई। भूटान सरकार ने विदेशी लोगों के लिए सीमाएं खोल दी हैं। साथ ही भूटान के नागरिक

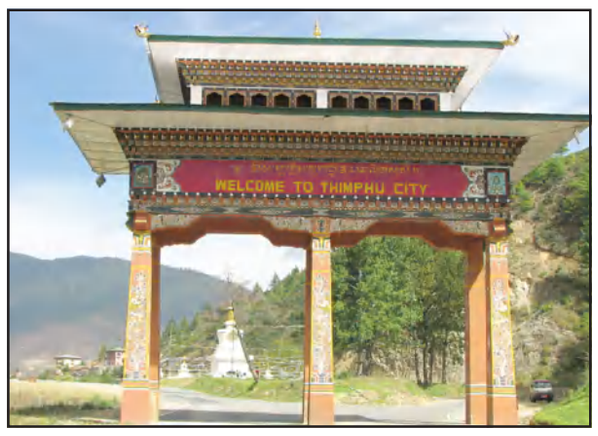

भी अब सीमा पार जा सकते हैं। कोरोना महामारी के चलते 30 महीने तक भूटान ने अपनी सीमाएं बंद कर रखीं थी।

भूटान सरकार ने जनवरी 2020 को संसद द्वारा पारित कानून के तहत विदेशियों की एंट्री पर कर लागू किया है। इस नियम में भारतीय भी शामिल हैं हालांकि उन्हें रकम के मामले में थोड़ी रियायत जरूर मिली है। भारतीयों के लिए भूटान की एंट्री पर 1200 रुपए प्रतिदिन शुल्क देना होगा। जबकि, विदेशियों के लिए यह रकम 200 डॉलर प्रतिदिन है।

शुक्रवार को जयगांव-फंटशोलिंग सीमा पर अधिकारियों ने कुछ भावनात्मक दृश्य देखे। सीमा पर भारतीय हिस्से में तैनात एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, भूटान की एक महिला भारत को पार करते ही फूट-फूट कर रोने लगी। उसकी मां, जिसने एक भूटानी नागरिक से शादी की। वह उत्तरी बंगाल के कलिम्पोंग में रहती है। उसने कहा कि वह ढाई साल बाद अपनी मां को देखेगी।

यात्रा से पहले ऑनलाइन पंजीकरण अब से अनिवार्य है। केवल पासपोर्ट और मतदाता पहचान पत्र भारतीय नागरिकता के प्रमाण के रूप में स्वीकार किए जाएंगे। पहले आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस का इस्तेमाल किया जा सकता था लेकिन अब नियम बदल गए हैं। साथ ही, 18 वर्ष से कम आयु के भारतीयों को पहचान प्रमाण के रूप में मूल जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

कनाडा जाने वाले भारतीय छात्र रहें सावधान, केंद्र सरकार ने जारी की ट्रैवल एडवाइजरी

नई दिल्ली, 23 सितम्बर (एजेन्सी)। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि कनाडा में घृणा अपराध, नस्ली हिंसा और भारत विरोधी गतिविधियों से जुड़ी घटनाओं में तीव्र वृद्धि हुई है, ऐसे में वहां भारतीय नागरिकों और छात्रों को सचेत एवं चौकस रहने की सलाह दी जाती है। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, कनाडा में भारत के नागरिकों एवं छात्रों के लिये जारी परामर्श में कहा गया कि कनाडा में घृणा अपराध, नस्ली हिंसा और भारत विरोधी गतिविधियों से जुड़ी घटनाओं में तीव्र वृद्धि हुई है। विदेश मंत्रालय और कनाडा में हमारे उच्चायोग एवं महावाणिज्य दूतावास ने वहां के प्रशासन के समक्ष इन घटनाओं को उठाया है और ऐसे अपराध की जांच करने एवं उपयुक्त कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

इसमें कहा गया है कि ऐसे अपराधों को अंजाम देने वालों को कनाडा में अब तक न्याय के कठघरे में नहीं खड़ा किया गया है। मंत्रालय ने कहा, ऐसे अपराधों के बढ़ते मामलों को देखते हुए कनाडा में भारतीय नागरिकों एवं छात्रों तथा वहां यात्रा/शिक्षा के लिये जाने वालों को सचेत एवं सतर्क रहने की सलाह दी जाती है।'' बयान में कहा गया है कि कनाडा में भारतीय नागरिक एवं छात्र ओटावा में भारतीय उच्चायोग या टोरंटो और वेंकूवर में महावाणिज्य दूतावास के साथ संबंधित वेबसाइट या मदद पोर्टल' पर पंजीकरण करा सकते हैं।

इसमें कहा गया है कि पंजीकरण कराने से उच्चायोग और महावाणिज्य दूतावास के लिये किसी भी जरूरत या आपात स्थिति में कनाडा में भारतीय नागरिकों से बेहतर ढंग से सम्पर्क करना सुगम होगा। एक दिन पहले ही, भारत ने कनाडा में तथाकथित खालिस्तानी जनमत संग्रह' पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा था कि यह बेहद आपत्तिजनक' है कि एक मित्र देश में कट्टरपंथी एवं चरमपंथी तत्वों को राजनीति से प्रेरित ऐसी गतिविधि की इजाजत दी गई।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने संवाददाताओं से कहा था कि भारत ने इस मामले को राजनयिक माध्यमों से कनाडा के प्रशासन के समक्ष उठाया है और इस मुद्दे को कनाडा के समक्ष उठाना जारी रखेगा। उन्होंने तथाकथित खालिस्तानी जनमत संग्रह को फर्जी कवायद करार दिया था। बागची ने कहा था कि कनाडा ने भारत की सम्प्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की बात कही है, लेकिन यह बेहद आपत्तिजनक है कि एक मित्र देश में कट्टरपंथी एवं चरमपंथी तत्वों को राजनीति से प्रेरित ऐसी गतिविधि की इजाजत दी जा रही है।

प्रवक्ता के अनुसार, कनाडा सरकार ने कहा था कि वे उनके देश में हो रहे तथाकथित जनमत संग्रह को मान्यता नहीं देते हैं।

विधानसभा सत्र के पहले दिन त्रिपुरा के एक और भाजपा विधायक ने छोड़ी पार्टी

अगरतला, 23 सितम्बर (एजेन्सी)। त्रिपुरा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को शुक्रवार को उस समय बड़ा झटका लगा जब उसके एक विधायक ने इस्तीफा दे दिया। भाजपा विधायक बरबू मोहन त्रिपुरा ने शुक्रवार को शुरू हुए विधानसभा सत्र के पहले ही दिन अपना इस्तीफा दे दिया। वह भगवा पार्टी के चौथे ऐसे विधायक हैं जिन्होंने पिछले साढ़े चार साल में पार्टी छोड़ी है। बरबू मोहन ने करबुक विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के टिकट पर 2018 का विधानसभा चुनाव जीता था।

बरबू मोहन ने स्पीकर रतन चक्रवर्ती को सौंपे गए अपने पत्र में कहा, 'मैं 43 (एसटी) कारबुक संविधान सभा की सदस्यता से अपना इस्तीफा देता हूं और आपसे मेरा इस्तीफा स्वीकार करने का अनुरोध करता हूं।' शाही वंशज और टीआईपीआरए मोथा पार्टी के प्रमुख प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा उनके इस्तीफे के बाद उनके साथ देखे गए। हालांकि बरबू मोहन त्रिपुरा की ओर इस मुद्दे पर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। लेकिन प्रद्योत ने संवाददाताओं से कहा, 'मैं उनके साथ एकजुटता दिखाने आया था। उन्होंने कहा कि वह किसी भी राष्ट्रीय पार्टी के साथ जुड़ने के बजाय तिप्रसा (त्रिपुरा वासियों) के लिए काम करना चाहते हैं।'

इससे पहले, अन्य भाजपा विधायकों में आशीष दास तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए, जबकि सुदीप रॉय बर्मन और आशीष कुमार साहा भगवा पार्टी से कांग्रेस में शामिल हो गए थे। आशीष दास ने बाद में तृणमूल कांग्रेस छोड़ दी और किसी अन्य पार्टी में शामिल नहीं हुए।

बीजेपी-आईपीएफटी ने 2018 में पहली बार 44 सीटों के साथ सरकार बनाई थी, जिसमें 36 सीटें बीजेपी को मिलीं और बाकी आठ सीटें आईपीएफटी को मिलीं थीं। एक साल पहले आईपीएफटी विधायक बृषकेतु देबबर्मा ने प्रद्योत किशोर की पार्टी में शामिल होने के लिए पार्टी छोड़ दी थी। विधानसभा ने हाल ही में दलबदल विरोधी कानून का उल्लंघन करने के लिए उनकी सदस्यता को अयोग्य घोषित कर दिया था।

पीएफआई के बंद के दौरान हिंसा, आरएसएस दफ्तर पर फेंका पेट्रोल बम, बसों में भी तोड़फोड़

तिरुवनंतपुरम,23 सितम्बर (एजेन्सी)। इस्लामी संगठन 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएफआई) द्वारा शुक्रवार को केरल में आहूत दिनभर की हड़ताल के बीच राज्य में कई जगहों पर सार्वजनिक परिवहन की बसों पर पथराव होने, दुकानों, वाहनों को क्षति पहुंचाने और कुछ जगहों पर हिंसा की घटनाओं की सूचना मिली है। देश में आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करने के आरोप में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) तथा अन्य एजेंसियों द्वारा पीएफआई के कार्यालयों और उसके नेताओं से जुड़े परिसरों पर बृहस्पतिवार को छापे मारे जाने के विरोध में पीएफआई ने आज हड़ताल करने का आह्वान किया था। हड़ताल समर्थकों ने उन जगहों पर प्रदर्शन मार्च निकाला, वाहनों को रोका और विभिन्न जगहों पर जबरन दुकानों को बंद कराया, जहां संगठन की स्थिति मजबूत है।

पुलिसकर्मियों के अलावा कुछ बस और लॉरी चालकों तथा यात्रियों को पथराव और संबंधित घटनाओं में चोटें आई हैं। केरल उच्च न्यायालय ने पीएफआई की हड़ताल और राज्य में आज हुई हिंसा की घटनाओं पर संज्ञान लिया है। अदालत ने कहा कि हड़ताल पर उसने पहले ही रोक लगा रखी है और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना स्वीकार नहीं किया जाएगा। अदालत ने राज्य प्रशासन को उसके हड़ताल पर प्रतिबंध संबंधी आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कोट्टायम जिले के एराट्टुपेटा शहर में बड़ी संख्या में एकत्रित प्रदर्शनकारियों के वाहनों को रोकने, दुकानों को बंद कराने और निजी वाहनों पर यात्रा करने वाले लोगों को धमकी देने की कोशिश करने पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया।

सूत्रों ने बताया कि एहतियाती कदम के तहत स्थानीय पुलिस थानों में कई पीएफआई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेने की सूचना है। शहर एवं उसके आस-पास अधिक से अधिक संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है क्योंकि इलाके में चिंता बनी हुई है। कोल्लम में पल्लिमुक्कु में एक हड़ताल समर्थक ने कथित रूप से पेट्रोलिंग ड्यूटी पर तैनात दो पुलिसकर्मियों को अपनी बाइक से टक्कर मार दी क्योंकि उन्होंने उसे यात्रियों को परेशान करने से रोकने की कोशिश की थी।

कोट्टायम में संक्रांति कवला में एक लॉटरी की दुकान को हड़ताल समर्थकों ने नष्ट कर दिया, जबकि मंगलुरु से जा रहीं कुछ मालवाहक गाड़ियों को रोक दिया गया और कन्नूर में एक राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की चाबियां छीन ली गईं जिससे क्षेत्र में यातायात बाधित हुआ। स्थानीय मीडिया की खबर के अनुसार, एक वाहन पर पेट्रोल बम फेंका गया, जो कन्नूर के नारायणपारा में अखबार वितरित करने जा रहा था।

तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, कोझिकोड, वायनाड और अलप्पुझा समेत विभिन्न जिलों में केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बसों पर पथराव किया गया। कई बसें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। उनके शीशे टूट गए और सीट क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि परिवहन मंत्री एंटनी राजू ने कहा कि केएसआरटीसी की बसों के खिलाफ व्यापक हमलों के मद्देनजर सेवा नहीं रोकी जाएगी। उन्होंने कहा, हमारी मंशा यात्रियों को अधिक से अधिक सेवा उपलब्ध कराना है जो हड़ताल के कारण यात्रा में परेशानी का सामना कर रहे हैं। पुलिस निश्चित रूप से हिंसा और बर्बादी में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।''

अलप्पुझा में हड़ताल का समर्थन कर रहे लोगों के पथराव में केएसआरटीसी की बसें, टैंकर लॉरी और कुछ अन्य वाहनों को नुकसान पहुंचने की खबर है। कोझिकोड और कन्नूर में पीएफआई कार्यकर्ताओं द्वारा कथित तौर पर किए गए पथराव में क्रमश: 15 वर्षीय एक लड़की और एक ऑटो रिक्शा चालक घायल हो गए। तमिलनाडु में इरोड जा रहे एक लॉरी ड्राइवर के वाहन पर हड़ताल समर्थकों के पथराव करने से उसकी नाक और आंखों में चोटें आई हैं। पथराव से वाहन के शीशे भी टूट गए।

ड्राइवर ने कहा, उन्होंने लॉरी को नुकसान पहुंचाने की मंशा से हम पर जानबूझकर हमला किया। वाहन को सड़क किनारे खड़ा किया था तभी प्रदर्शनकारियों ने वाहन पर हमला किया। मैं प्राथमिक उपचार के लिए निजी अस्पताल गया और अब मैं विस्तृत जांच के लिए सरकारी अस्पताल जा रहा हूं।'' हालांकि, केरल पुलिस ने राज्यव्यापी हड़ताल के पीएफआई के आह्वान के बाद राज्य में सुरक्षा बढ़ा दी है और जिला पुलिस प्रमुखों को कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी किए हैं। लेकिन ऐसी शिकायतें हैं कि पुलिस ने कई जगहों पर तत्परता से कार्रवाई नहीं की जब शुक्रवार को हड़ताल समर्थक वाहनों के रोक रहे थे और दुकानों को जबरन बंद कर रहा थे।

सूत्रों ने बताया कि पीएफआई के अधिकतर कार्यकर्ता हिंसा और

आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहे हैं। हालांकि अधिकांश हड़ताल समर्थकों को राज्यभर में हिरासत में ले लिया गया है लेकिन फिलहाल इसकी कोई वास्तविक संख्या उपलब्ध नहीं है। पीएफआई ने बृहस्पतिवार को कहा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नियंत्रण वाली फासीवादी सरकार द्वारा केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर विरोधियों को चुप कराने के प्रयासों' के खिलाफ शुक्रवार को राज्यभर में हड़ताल की जाएगी।

पीएफआई के राज्य महासचिव ए अब्दुल सत्तार ने एक बयान जारी कर बताया था कि हड़ताल सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक होगी। इससे पहले, पीएफआई के कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को उन जगहों पर मार्च निकाला था, जहां छापे मारे गए थे। उन्होंने केंद्र सरकार और उसकी जांच एजेंसियों के खिलाफ नारेबाजी भी की थी। हालांकि, सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के इरादे से ऐसे सभी स्थानों पर केंद्रीय बलों को पहले से ही तैनात किया गया था।

एनआईए के नेतृत्व में कई एजेंसियों ने देश में आतंकी गतिविधियों को समर्थन देने के आरोप में बृहस्पतिवार को 15 राज्यों में 93 स्थानों पर एक साथ छापेमारी कर पीएफआई के 106 पदाधिकारियों को गिरफ्तार किया था। अधिकारियों ने बताया था कि केरल में, जहां पीएफआई के कुछ मजबूत गढ़ हैं, सबसे ज्यादा 22 गिरफ्तारियां की गईं। गिरफ्तार किए गए लोगों में पीएफआई की केरल इकाई के अध्यक्ष सी पी मोहम्मद बशीर, राष्ट्रीय अध्यक्ष ओ एम ए सलाम, राष्ट्रीय सचिव नसरुद्दीन एलमारम, पूर्व अध्यक्ष ई अबूबकर और अन्य शामिल हैं।

शिक्षों के खाली पदों को जल्दी भरे : सीएम नीतीश

पटना, 23 सितम्बर (का.सं.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि शिक्षकों के खाली पदों को जल्द भरें। जहां शिक्षकों की कमी है, वहां शिक्षकों की जल्द बहाली हो। ताकि, छात्र-छात्राओं के पठन-पाठन में कोई दिक्कत न हो। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को एक अणे मार्ग में शिक्षा विभाग की समीक्षा की और कई निर्देश पदाधिकारियों को दिये।

गौरतलब है कि वर्तमान में करीब डेढ़ लाख शिक्षकों के पद खाली हैं। हालांकि, जिलों से इसकी अद्यतन रिपोर्ट ली जा रही है। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि सात निश्चय योजना के अंतर्गत बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत की गई, ताकि छात्र-छात्राओं को आगे की पढ़ाई करने में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। इस योजना का क्रियान्वयन बेहतर ढंग से कराएं और छात्र-छात्राओं के बीच इसका प्रचार-प्रसार भी कराएं। ताकि योजना में तेजी आये और विद्यार्थी इस योजना का लाभ उठा सकें। राज्य के सभी सरकारी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में शुरू की गई उन्नयन बिहार कार्यक्रम का क्रियान्वयन ठीक ढंग से कराते रहें, ताकि छात्र-छात्राएं इसका लाभ उठा सकें। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पदाधिकारियों से कहा है कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अतिपिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग की लड़कियों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार में कई कदम उठाए गए हैं। बड़ी संख्या में प्राथमिक विद्यालय एवं मय विद्यालय की स्थापना की गई है। विद्यालय भवनों का भी निर्माण कराया गया है। सभी पंचायतों में उच्च माध्यमिक विद्यालय की स्थापना की गई है। इससे अब छात्र-छात्राओं को अपने पंचायत में ही उच्च माध्यमिक शिक्षा मिल सकेगी। हमलोग चाहते हैं कि छात्र-छात्राएं बेहतर ढंग से पढ़ाई करें। छात्राओं के शैक्षणिक स्तर में सुधार होने से प्रजनन दर में और कमी आएगी। पहले से राज्य में प्रजनन दर घटा है। प्रजनन दर को कम करने में शिक्षा का बहुत महत्व है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं के लिए वर्तमान वित्तीय वर्ष में राज्य को दी जानेवाली केंद्रांश की राशि अभी तक नहीं दी गयी है। इसको लेकर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस संदर्भ में केंद्र सरकार को पुनः पत्र लिखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी स्कूलों में पठन-पाठन के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और मौलाना अबुल कलाम आजाद के जीवन वृत्त, सिद्धांतों एवं उनके विचारों के बारे में बताया जाता है। इसका उद्देश्य है कि नई पीढ़ी के बच्चे-बच्चियां अपने महापुरुषों और देश की आजादी के बारे में ठीक ढंग से जान सकें।

अमित शाह की रैली को तेजस्वी ने बताया कॉमेडी शो

पटना, 23 सितम्बर (का.सं.)। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने केन्द्र सरकार पर बिहार की हकमारी का आरोप लगाया और कहा कि केंद्रीय योजना की राशि में कटौती की जा रही है। यही नहीं बिहार को मिलने वाला पैसा रोका जा रहा है। बिहार में राजनीतिक बदलाव के बाद बिहार का पैसा रोका जा रहा है। तेजस्वी ने अमित शाह के बिहार दौरे को कामेडी शो बताया है और कहा कि वे कहीं से गृहमंत्री नहीं लग रहे थे। उनमें सामान्य नेता जैसी भी बात नहीं थी।

तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अपराध की बात करते हैं, लेकिन एनसीआरबी के आंकड़े देख लें। सर्वाधिक अपराध तो दिल्ली में है, जहां वे रहते हैं और जो उनके नियंत्रण में है। आज जंगलराज की बात करने लगे हैं, 8 साल में इसकी याद क्यों नहीं आई? बता दें कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज शुक्रवार को दो दिन के दौरे पर पूर्णिया पहुंचे। पूर्णिया में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा।

अमित शाह ने पूर्णिया की जनसभा में कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में लालू-नीतीश का जनता सूपड़ा साफ कर देगी। इसके साथ ही शाह ने दावा किया कि 2025 के विधानसभा चुनाव में बिहार में बीजेपी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि नीतीश बाबू को मैं 8 साल पहले की बात याद दिलाता हूं, 2014 में भी दो सीटें बची थी। तब भी आप न घर के बचे थे, न घाट के। 2024 का चुनाव आने दो लालू-नीतीश की जोड़ी को जनता साफ कर देगी। 2025 में बीजेपी यहां सरकार बनाएगी।

अमित शाह ने धोखे गिने, फिर लालू को दी नसीहत- नीतरश बाबू से बच के रहिएगा

पूर्णिया, 23 सितम्बर (नि.सं.)। दो दिवसीय बिहार दौरे पर शुक्रवार को पूर्णिया पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा। अमित शाह ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव को सचेत करते हुए कहा कि लालू जी सुनिए, नीतीश कल आपको धोखा दे देंगे। नीतीश बाबू प्रधानमंत्री बनने के लिए जो कांग्रेस विरोधी राजनीति से पैदा हुए, वो नीतीश बाबू आरजेडी और कांग्रेस की गोद में बैठ गए हैं।

गृहमंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार सबसे पहले देवी लाल गुट के साथ गए, फिर लालू यादव के साथ कपट किया। सबसे बड़ा धोखा जॉर्ज फर्नांडीस को दिया। जॉर्ज के कंधे पर बैठकर समता पार्टी बनाई। जॉर्ज की तबीयत खराब हुई तो हटा दिया। शरद यादव को धोखा दिया और फिर भाजपा को पहली बार दोखा दिया। फिर जीतनराम मांझी को धोखा दिया, रामविलास पासवान को धोखा दिया। फिर से बीजेपी को प्रधानमंत्री बनने की लालसा में धोखा देकर लालू के साथ चले गए हैं। नीतीश जी, ये बार-बार जो धोखा आप कर रहे हैं, ये जनता के साथ धोखा है, ये जनादेश के साथ धोखा है।

अमित शाह ने आरोप लगाते हुए कहा कि नीतीश कुमार की कोई विचारधारा नहीं है। वो लालू जी के साथ जा सकते हैं। वो वामपंथी से भी हाथ मिला सकते हैं। कांग्रेस के साथ भी जा सकते हैं और आरजेडी छोड़ बीजेपी में भी आ सकते हैं। कहते हैं न पूत के लक्षण पालने में ही पता चल जाते है। जिस दिन इन्होंने शपथ ली, उसी दिन से अपराध बढ़ गया। नीतीश जी बोलते हैं कि साजिश थी, नीतीश जी साजिश थी तो पकड़ा क्यों नहीं उन्हें। क्योंकि साजिश रचने वाले आपके साथ सरकार में हैं।

चिराग कन्फ्यूज हैं, उनको पता ही नहीं कि वो एनडीए में हैं या यूपीए में : पशुपति पारस

पटना, 23 सितम्बर (का.सं.)। केंद्रीय मंत्री और रालोजपा अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस ने आरोप लगाया है कि चिराग पासवान स्वयं कन्फ्यूज हैं, उन्हें खुद पता नहीं कि वे किधर हैं, यूपीए में हैं या एनडीए में। स्थानीय कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि चिराग चौराहे पर खड़े हैं। वे निर्णय नहीं कर पा रहे हैं कि किस तरफ जायें। केंद्रीय

गृह मंत्री अमित शाह के बिहार दौरे पर नेता प्रतिपक्ष के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि वे गृह मंत्री हैं और उन्हें देश के किसी भी हिस्से में आने का हक है। तेजस्वी यादव यह भविष्य कैसे बताने लगे कि उनके आने से क्या होगा। अमित शाह यहां यह आकलन करने आये हैं कि बिहार को क्या जरूरत है।

केंद्रीय मंत्री ने केंद्रीय सहायता में कटौती करने से संबंधित राज्य के वित्त मंत्री के बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एक महीने में ही सहायता बंद हो गयी। इससे पहले तक सब ठीक चल रहा था। उन्होंने कहा कि विपक्ष बंटा हुआ है और आपस में एकजुट नहीं हो सकता है। ऐसे में इनका सत्ता में आना बेहद मुश्किल है। देश की जनता सब देख रही है, किसका क्या क्रियाकलाप है और कौन क्या बोल या कर रहा है। उचित समय आने पर जनता सही निर्णय लेगी।

बता दें कि कुछ दिन पहले ही लोजपा रामविलास के अध्यक्ष और सांसद चिराग पासवान ने कहा था कि वे दोबारा एनडीए में शामिल नहीं होने वाले हैं। चिराग पासवान ने बोला था कि जिस गठबंधन में उनके चाचा और लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के मुखिया पशुपति पारस होंगे, उसमें वे नहीं रहेंगे।

गौरतलब है कि बिहार में सत्ता परिवर्तन के बाद चिराग पासवान लगातार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जुबानी हमला बोल रहे हैं। ऐसे में कयास लगाए गए कि चिराग फिर से बीजेपी नीत एनडीए में वापसी कर सकते हैं। राष्ट्रपति चुनाव में भी उन्होंने एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का समर्थन किया था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने खुद उन्हें फोन कर कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि चिराग मुर्मू को सपोर्ट करें।

लालू-नीतीश से डरने की जरूरत नहीं, ऊपर मोदी सरकार है : अमित शाह

पूर्णिया, 23 सितम्बर (नि.सं.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां कहा कि बिहार में लालू प्रसाद और नीतीश कुमार की जोड़ी भले ही आ गई हो, लेकिन डरने की जरूरत नहीं है, ऊपर मोदी सरकार है।

उन्होंने कहा कि नीतीश प्रधानमंत्री बनने की लालसा में लालू की गोद में जाकर बैठ गए हैं। पूर्णिया के रंगभूमि मैदान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि बिहार की धरती परिवर्तन की धरती रही है और इस कड़ी धूप में यह भीड़ लालू-नीतीश सरकार को चेतावनी का सिगनल है।

उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राजद नेता लालू प्रसाद को घेरते हुए कहा कि भाजपा को धोखा देकर स्वार्थ के लिए लालू की गोद में नीतीश बैठ गए। उन्होंने कहा कि मेरे दौरे से लालू यादव और नीतीश कुमार के पेट में दर्द हो रहा है।

उन्होंने कहा कि वे कह रहे है कि मैं यहां झगड़ा कराने आया हूं। मैं यहां किसी से झगड़ा कराने नहीं आया हूं। लालू जी आप तो खुद काफी हैं झगड़ा लगाने के लिए। उन्होंने कहा कि मोदी जी के राज में किसी को डरने की जरूरत नहीं है।

बिहार के मुख्यमंत्री पर सत्ता और स्वार्थ की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए अमित शाह ने कहा कि नीतीश कुमार ने सबके साथ धोखा किया। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित समाजवादी जॉर्ज फर्नांडिस के साथ धोखा दिया। जॉर्ज का स्वास्थ्य खराब होते ही उन्हें हटाकर समता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए, उसके बाद लालू प्रसाद के साथ कपट किया। अमित शाह ने लालू यादव को सजग करते हुए कहा कि आप ध्यान रखिएगा, नीतीश कुमार कल आपको छोड़कर कांग्रेस की गोदी में बैठ जाएंगे।

उन्होंने नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के मामले में घेरते हुए कहा कि नीतीश कुमार जो कांग्रेस विरोध की राजनीति में पैदा हुए वे आज राजद और कांग्रेस की गोद में बैठ गए हैं। क्या इस तरह सत्ता के स्वार्थ में दल-बदल कर नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बन सकते हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि जिस दिन नीतीश कुमार के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार ने शपथ ली, तब से ही कानून व्यवस्था की स्थिति चरमरा गई। उन्होंने नीतीश कुमार को निशाने पर लेते हुए कहा कि नीतीश कुमार षडयंत्र को नहीं रोक पाएंगें, क्योंकि अपराधी सत्ता में ही बैठे में है। पहले जो चारा घोटाला की बात करते थे अब क्या करेंगे। अब तो घोटालेबाज ही मंत्री बन बैठे हैं।

बिहार में अब तक बीजेपी ने लंगड़ी सरकार बनाई, 2025 में बहुमत से खड़ा कर दो : अमित शाह

पूर्णिया, 23 सितम्बर (नि.सं.)। गृहमंत्री अमित शाह दो दिनों के बिहार दौरे पर शुक्रवार को पूर्णिया पहुंचे। उन्होंने रंगभूमि मैदान में विशाल जनभावना रैली को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान अमित शाह ने सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा। वहीं अमित शाह ने बिहार के लोगों से अपील करते हुए कहा कि आपने भाजपा को हर बार वोट दिया, लेकिन लंगड़ी सरकार बनाई। 2025 में एक बार भाजपा को पूर्ण सरकार दे दीजिए, हम बिहार को देश का सबसे विकसित राज्य बना देंगे।

अमित शाह ने लोगों को जोरदार नारा लगाने की अपील करते हुए कहा कि लालू यादव के पेट में दर्द तो समझ में आता है लेकिन आप क्यों जोरदार नारा नहीं लगा पा रहे हैं।

अमित शाह ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की जयंती पर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि दिनकर की कविताओं ने न केवल आजादी के आंदोलन को धार दी बल्कि भारतीय संस्कृति को भी मजबूती प्रदान करने का काम किया। इसके साथ ही शाह ने कबीरपंथी धर्मगुरु सद्गुरु धर्मस्वरूप को श्रद्धांजलि दी। अमित शाह ने कहा कि मैं सीमांत जिलों में आया हूं तो लालू-नीतीश के पेट में दर्द हो रहा है। कह रहे हैं कि मैं यहां झगड़ा लगाने आया हूं। ये काम लालू परिवार का है।

बता दें कि बिहार में सत्ता से हटने के बाद भाजपा की यह पहली बड़ी रैली थी। रैली में अमित शाह का पारंपरिक वाद्ययंत्र सिंघा फूंककर और मखाने की माला पहनाकर स्वागत किया गया। अमित शाह के साथ मंच पर सुशील मोदी, गिरिराज सिंह, रविशंकर प्रसाद, राधा मोहन सिंह, रेणु देवी, विजय सिन्हा समेत बीजेपी के दिग्गज नेता मौजूद थे। इसके साथ ही बिहार भाजपा प्रभारी विनोद तावड़े और पूर्व मंत्री शाहनवाज हुसैन भी मंच पर मौजूद रहे।

खोदा पहाड़, निकली चुहिया, बिहार में मंगलराज है : ललन सिंह

पटना, 23 सितम्बर (नि.सं.)। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने पूर्णिया में शुक्रवार को हुई भाजपा की रैली पर तंज किया है कि खोदा पहाड़, निकली चुहिया। ललन सिंह ने कहा कि रैली में केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने महंगाई और रोजगार पर कुछ नहीं कहा। जबकि, देश में महंगाई चरम पर है, इससे लोग खासे परेशान हैं। रोजगार के लिए कोई पहल केंद्र सरकार नहीं कर रही है। ललन सिंह ने पटना में पत्रकारों के सवाल पर कहा कि बिहार में मंगल राज है। इसके लिए लिए भाजपा के किसी सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जनता हर बार सर्टिफिकेट दे रही है।

जदयू ससंदीय बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने ट्वीट कर अमित शाह और उनकी रैली पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि पूर्णियी की रैली में अमित शाह को बार-बार ताली बजाने और जोर से नारे लगाने के लिए आग्रह करना पड़ा। यहां तक कहते सुने गये कि सीमांचल के लोगों का जोश कहां चला गया। साफ है, उनकी पार्टी के प्रति अब बिहार की जनता में न तो आकर्षण रहा और न ही विश्वास। आखिर काठ की हांडी कितनी बार चूल्हे पर चढ़ेगी, जनाब? लोग समझ गये हैं.. झूठा हे तेरा वादा, वादा तेरा वादा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अपने भाषण के दौरान सीमांचल को सीमांत बताते रहे। भाजपा नेताओं ने मंच से सीमांचल में बांग्लादेशी घुसपैठ का मामला उठाया लेकिन अमित शाह इस पर चुप रहे। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि सीमांचल हिन्दुस्तान का हिस्सा है। यहां के लोगों के डरने की जरूरत नहीं है। महंगाई और रोजगार के मुद्दे पर वह खामोश रहे।

सीमांचल और कोसी के सात जिलों के भाजपा जिलाध्यक्षों के द्वारा मंच पर अमित शाह को मखाना से तैयार माला पहनाया गया। मखाना का माला तो उन्होंने पहना लेकिन खेती-किसानी की कोई बात नहीं की। कृषि प्रधान सीमांचल के इलाके में यूरिया की किल्लत से लेकर अनाज की खरीद-बिक्री में हो रही दिक्कत पर वह चुप रहे।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR HOOGHLY MORNING
FRIDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:95 DrawDate on:23/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 66J 36390
(Including Super Prize Tick)
Cons. Prize ₹1000/- 36390 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
03045 04073 11756 25560 29856 35131 44049 45917 81504 97950
3rd Prize ₹450/-
1317 1324 1377 1498 3398 3602 4431 6699 6918 9940
4th Prize ₹250/-
2673 2683 3921 4765 4957 5246 5695 6492 7132 8499
5th Prize ₹120/-
0107 0109 0449 0669 0760 0859 0893 0946 0963 1002
1012 1035 1113 1133 1251 1336 1526 1610 1780 1835
1942 2062 2288 2541 2640 2974 3108 3373 3437 3467
3498 3539 3608 3715 3760 3781 3959 3978 3981 4059
4296 4391 4525 4587 4632 4714 4908 5048 5075 5151
5197 5205 5287 5392 5546 5658 5758 5799 5927 6062
6143 6239 6309 6514 6617 6744 6796 6807 6940 7232
7402 7325 7719 7740 7758 7976 8048 8209 8462 8565
8567 8612 8622 8800 8921 8923 9101 9116 9139 9330
9363 9364 9444 9576 9801 9818 9917 9924 9953 9989
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR EARTH FRIDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:95 DrawDate on:23/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 83J 84726
(Including Super Prize Tick)
Cons. Prize ₹1000/- 84726 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
01092 08086 38040 74164 74538 79421 80502 85880 89853 97773
3rd Prize ₹450/-
0337 1911 2378 3588 4098 4161 4826 5105 6850 6948
4th Prize ₹250/-
0067 0083 1069 2093 2525 2544 5061 7699 8505 9360
5th Prize ₹120/-
0088 0194 0350 0369 0548 0724 0779 1050 1085 1114
1174 1282 1285 1304 1451 1473 1557 1871 1711 1795
1804 1928 2047 2058 2090 2131 2281 2511 2572 2660
2745 2829 2868 2924 2996 3043 3085 3154 3232 3249
3326 3599 3714 3768 3811 3829 3883 3894 4522 4721
4980 5158 5297 5344 5499 5660 5741 6076 6118 6166
6278 6365 6376 6631 6660 6775 6799 7045 7158 7216
7250 7253 7295 7591 7682 7731 7928 8013 8031 8046
8412 8489 8500 8562 8609 8690 8719 8740 8743 8773
8991 9015 9098 9483 9563 9626 9676 9724 9878 9930
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR VULTURE EVENING
FRIDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:195 DrawDate on:23/09/22
1st Prize ₹1 Crore/- 69H 83273
(Including Super Prize Tick)
Cons. Prize ₹1000/- 83273 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
00545 01570 01932 08831 11146 22706 57624 58430 63015 78872
3rd Prize ₹450/-
1336 1781 2683 2938 3315 4613 6540 6753 7074 8581
4th Prize ₹250/-
0132 0243 3206 4836 5395 5584 7215 8702 9443 9482
5th Prize ₹120/-
0013 0134 0441 0500 0571 0715 0773 1034 1484 1497
1548 1613 1636 1777 1815 1954 1957 1982 2020 2045
2161 2176 2334 2364 2432 2716 3147 3190 3192 3230
3249 3282 3292 3563 3587 3629 3658 3924 3935 3972
4113 4243 4320 4423 4573 4637 4806 4971 5005 5088
5126 5266 5357 5421 5510 5550 5569 5673 5795 5925
6482 6497 6579 6636 6644 6734 6765 6967 6970 7083
7200 7248 7320 7569 7572 7611 7625 7638 7925 7977
8008 8055 8180 8372 8513 8863 8909 8924 9022 9029
9298 9451 9512 9529 9590 9663 9696 9714 9788 9841
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR LAXMI RICH FRIDAY
Draw No:16 DrawDate on:23/09/22
1st Prize ₹10,000/- 6212 8471
2nd Prize ₹5,000/- 8906 9998
3rd Prize ₹2,000/- 5418 9502
4th Prize ₹1,000/- 2092 7767
5th Prize ₹500/-
2005 3982 6945 9786 9791 9845
6th Prize ₹200/-
0066 0075 0082 0171 0243 0253 0307 0355 0372 0432
0434 0435 0532 0548 0564 0586 0602 0688 0731 0735
0802 0835 0849 0887 0897 1063 1166 1203 1236 1265
1272 1282 1302 1327 1333 1339 1356 1357 1394 1493
1504 1530 1533 1538 1539 1574 1625 1630 1637 1668
1677 1699 1761 1808 1813 1816 1839 2002 2041 2046
2068 2088 2123 2179 2217 2239 2270 2294 2299 2329
2334 2349 2393 2427 2498 2538 2566 2610 2612 2775
2803 2839 2840 2896 2910 2927 2931 2938 2980 2986
3005 3018 3088 3102 3168 3202 3231 3240 3258 3278
3294 3258 3437 3485 3505 3508 3556 3617 3631 3650
3770 3771 3787 3801 3807 3865 3901 3912 3937 3951
3953 3980 4123 4125 4196 4209 4277 4286 4296 4317
4372 4414 4457 4486 4499 4675 4695 4734 4762 4799
4817 4820 4851 4904 4974 5035 5120 5232 5303 5326
5332 5429 5447 5448 5455 5467 5479 5480 5505 5559
5572 5576 5611 5626 5637 5647 5668 5679 5719 5742
5747 5766 5086 5891 5920 5950 5962 6011 6075 6079
6124 6125 6167 6207 6208 6209 6249 6257 6270 6297
6305 6364 6432 6462 6465 6470 6501 6515 6550 6553
6575 6581 6738 6753 6764 6827 6843 6849 6851 6877
6879 6899 6900 6915 6977 7062 7086 7165 7204 7220
7221 7225 7300 7357 7364 7401 7460 7497 7506 7517
7552 7562 7570 7571 7576 7582 7599 7655 7746 7753
7757 7847 7858 7950 8002 8091 8124 8192 8201 8278
8325 8329 8335 8337 8351 8369 8489 8508 8524 8541
8675 8746 8749 8791 8811 8829 8836 8957 8966 9012
9089 9101 9162 9167 9183 9193 9200 9209 9250 9267
9317 9353 9382 9421 9444 9510 9521 9543 9627 9647
9667 9680 9773 9776 9788 9816 9833 9949 9978 9999
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

शांति की अपील

शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) शिखर बैठक के दौरान आपसी बातचीत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से प्रधानमंत्री नरेंद मोदी की कही गई बात को लेकर अचानक पश्चिमी देश उत्साहित हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में न केवल अमेरिका बल्कि फ्रांस ने भी इस बयान का हवाला देते हुए शांति की जरूरत बताई। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवन ने कहा कि भारत के पीएम मोदी ने पुतिन से बिलकुल सही कहा कि यह युद्ध का समय नहीं है। दोनों ने आह्वान किया कि अन्य देश भी ऐसा ही रुख दिखाते हुए रूस तक यह बात पहुंचाएं कि युद्ध तत्काल बंद किया जाए।

बहरहाल, पीएम मोदी की किसी बात से अगर अन्य देश खुश होते हैं और उनके बयान का हवाला देकर अपने रुख को ज्यादा वजनदार बनाना चाहते हैं तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन इससे यह भ्रम नहीं होना चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी ने कोई ऐसी बात कह दी है, जो वह अब तक नहीं कहते रहे हैं। दूसरे शब्दों में, यह साफ रहना चाहिए कि इस मुद्दे पर भारत सरकार के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है और प्रधानमंत्री मोदी दरअसल उसी नीति को अपने ढंग से व्यक्त कर रहे थे, जिस पर भारत चलता आया है।

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने रूस की निंदा करने या उस पर प्रतिबंध लगाने के मामले में भले खुद को पश्चिमी देशों के रुख से अलग रखा हो, युद्ध जल्द से जल्द बंद करके शांतिपूर्ण उपायों से सभी विवाद सुलझाने की अपील वह लगातार करता रहा है। पीएम मोदी के जिस बहुप्रचारित बयान का हवाला पश्चिमी देश दे रहे हैं, वह भी यूक्रेन युद्ध की वजह से दुनिया भर में उत्पन्न भीषण खाद्य और ऊर्जा संकट के संदर्भ में ही दिया गया है जो यह स्पष्ट करता है कि युद्ध से किसी का भला नहीं होता, सबका नुकसान ही होता है। जहां तक भारत और इसके शीर्ष नेता के बयान को मिलने वाली अहमियत का सवाल है तो इसमें शक नहीं कि यह अहमियत काफी हद तक संबंधित देश की आर्थिक हैसियत पर भी निर्भर करती है।

भारत न केवल हाल ही में ब्रिटेन को पीछे करके पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था बन गया है बल्कि आने वाले कई वर्षों तक उसकी जीडीपी ग्रोथ अच्छी और टिकाऊ बने रहने की संभावना है। हाल में आईं रिपोर्टों के मुताबिक भारत 2027 तक दुनिया की चौथी और 2029 तक तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी हो जाएगा। जाहिर है, यह स्थिति विश्व मंच पर भारत की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाती है। इसका कुशल इस्तेमाल दुनिया को बेहतर मूल्यों की ओर बढ़ने में मदद कर सकता है।

भारी न पड़ जाए उपेक्षा!

भारत डोगरा

हाल के अध्ययनों से ऐसे चिंतित करने वाले परिणाम सामने आ रहे हैं कि दैनिक जीवन में ऐसे बहुत से उत्पादों का प्रसार तेजी से बढ़ा है, जिनसे अधिक संपर्क में आने से कैंसर की संभावना बढ़ सकती है।

लेकिन सावधानी इसी में है कि जिन उत्पादों के बारे में गंभीर खतरों की काफी जानकारी मिल रही हैं, उनसे परहेज रखा जाए। उनका प्रसार तो न ही किया जाए।

एक समय सीएफसी या उससे मिलते-जुलते रसायनों को रेफ्रीजेशन उद्योग और कुछ अन्य उद्योगों के लिए बड़ी देन माना गया था। इस कारण इनका प्रसार बहुत तेजी से किया गया। यह तो बाद में पता चला कि इससे ओजोन परत को कितना नुकसान हो रहा था। मानव जीवन (या अन्य तरह का जीवन) कितना संकटग्रस्त हो रहा था। ओजोन परत के लुप्त होने या उसमें छेद होने से सूर्य की जीवनदायिनी किरणों में इतना बदलाव आ जाता है कि मनुष्यों में त्वचा कैंसर और मोतियाबिंद की संभावना काफी बढ़ सकती है। अनेक अन्य जीवों पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। अधिकांश महत्त्वपूर्ण फसलों (जिन पर प्रयोग किए गए) के बारे में यही पता चला है कि ओजोन परत के लुप्त होने का उन पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। यहां तक कि समुद्रों की वनस्पति भी बुरी तरह प्रभावित होगी जिससे इन विशाल जल भंडारों का खाद्य चक्र और जीवन बुरी तरह प्रभावित हो सकता है।

प्राय: यह भ्रांति फैली हुई है कि मॉन्ट्रियल समझौते और इसी कार्य को आगे बढ़ाने वाले अन्य अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के फलस्वरूप यह समस्या सुलझ चुकी है। किन्तु हकीकत यह है कि सीएफसी व ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले अन्य रसायनों का उत्पादन और अवैध तस्करी बड़ी मात्रा में समझौते के बाद भी होता था। अंटार्कटिक क्षेत्र के ऊपर 12000 वर्ग मील तक बड़ा छेद ओजोन परत में देखा गया। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के अनुसार ओजोन परत के कम होने के कारण प्रति वर्ष 3 लाख त्वचा कैंसर और 15 लाख मोतियाबिंद के अतिरिक्त केस आने की संभावना है। सत्तर वर्ष पहले सीएफसी के बारे में कोई नहीं जानता था।

केवल सात दशकों में एक नये रसायन का इतनी तेजी से प्रसार हुआ और उसने इतनी तबाही मचाई कि सूर्य की किरणों को ही खतरनाक बनाने का विश्वव्यापी खतरा उत्पन्न कर दिया। इस अनुभव के बाद हमें कम से कम यह सवाल जरूर पूछना चाहिए कि जिन अन्य नये रसायनों को हम दुनिया में तेजी से फैलाते जा रहे हैं, क्या उनके स्वास्थ्य और पर्यावरण संबंधी असर के बारे में हम अपने को संतुष्ट कर चुके हैं? अनेक विशेषज्ञों ने कहा है कि इनमें से अधिकांश रसायनों के बारे में हमारी जानकारी अधूरी है, और विशेषकर अपने मिश्रित रूप में दो या दो से अधिक रसायन कितना नुकसान कर सकते हैं, यह जानकारी अपर्याप्त है।

लिवरपूल विश्वविद्यालय से जुड़े विशेषज्ञ डॉ. वाईवन हॉर्वड ने एक बहुचर्चित लेख में बताया है कि आज हमारे शरीर में 300 से 500 ऐसे रसायन मौजूद हैं, जिनका 50 वर्ष पहले अस्तित्व था ही नहीं या नहीं के बराबर था। खतरनाक रसायनों को जब मिश्रित किया जाता है, तो उनका खतरनाक असर 10 गुणा तक बढ़ सकता है जबकि वर्तमान जांच विभिन्न रसायनों की अलग-अलग ही की जाती है। अत: यदि सीएफसी वाली गलती नहीं दुहरानी है तो संकीर्ण आर्थिक स्वाथरे से ऊपर उठकर हमें विभिन्न रसायनों, उनके मिश्रणों के स्वास्थ्य और पर्यावरण असर का पता लगाना ही होगा और विश्व को खतरनाक रसायनों से बचाने के विशेष प्रयास करने होंगे।

संभवत: सबसे अधिक खतरा खाद्य चक्र को प्रभावित करने वाले खतरनाक रसायनों और नई तकनीकों से है। लंदन फूड कमीशन ने बताया था कि ब्रिटेन में 92 ऐसे कीटनाशकों/जंतुनाशकों को स्वीकृत मिली हुई है जिनके बारे में पशुओं पर होने वाले अध्ययनों से पता चला था कि इनसे कैंसर और जन्म के समय की विकृतियां होने की संभावना है। अमेरिका की नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज ने एक रिपोर्ट में कहा कि पेस्टीसाइड्स के कारण एक पीढ़ी में लगभग 10 लाख कैंसर के अतिरिक्त केस आने की संभावना है। विश्व स्तर पर औद्योगिक उपयोग में आने वाले रसायनों की संख्या तेजी से बढ़ती हुई एक लाख से ऊपर पहुंच चुकी है, पर इनसे जुड़े संभावित खतरों के बारे में अभी तक उपलब्ध जानकारी अधूरी है। इनवायम्रेंट प्रोटेक्शन एजेंसी (यूएसए) के पूर्व अध्यक्ष रसल ट्रेन ने चेतावनी भरे शब्दों में कहा है कि व्यावसायिक उत्पादन में जो इतने नये रसायन आ रहे हैं, उनके बारे में हमें बहुत कम पता है, और हम भूल जाते हैं कि इस जानकारी का अभाव जानलेवा हो सकता है। ऐसी बुनियादी जानकारी के अभाव में गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव संभव नहीं है। अध्ययनों के अनुसार खतरनाक केमिकल्स के कारण प्रतिकूल परिणाम झेलने वाले बच्चों की संख्या विश्व स्तर पर कई मिलियन में हो सकती है (1 मिलियन 10 लाख)। नैशनल इंस्टीच्यूट ऑफ ऑक्यूपेशनल हेल्थ (यूएसए) ने कुछ समय पहले बताया है कि कैंसर उत्पन्न करने वाले रसायनों से संपर्क में आने वाले मजदूरों की संख्या कई मिलियन में है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताया है कि कीटनाशकों और जन्तुनाशकों के छिड़काव से विश्व में प्रति वर्ष 25 मिलियन मजदूरों और किसानों का स्वास्थ्य क्षतिग्रस्त होता है।

हाल ही में 28 देशों के 174 वैज्ञानिकों ने आपसी सहयोग से एक अध्ययन ऐसे सामान्य उपयोग वाले रसायनों के बारे में किया गया जिनसे कैंसर की संभावना हो सकती है। 85 में से 50 केमिकल ऐसे पाए गए जिनकी कम डोज से कैंसर जैसे लक्षण जुड़े हुए थे। लंदन फूड कमीशन ने पता लगाया कि यूके में उपयोग होने वाले कीटनाशकों और जंतुनाशकों में जिन 426 मुख्य रसायनों का उपयोग हो रहा था, उनमें से 164 कैंसर, जन्म के समय की विकृतियों और स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़े थे। अनेक खतरनाक रसायनों से होने वाली स्वास्थ्य की क्षति का आर्थिक आकलन भी कुछ अध्ययनों ने किया है। केवल एक देश (अमेरिका) में बच्चों पर सीसे के प्रतिकूल असर के बारे में अनुमान लगाया गया है कि यह क्षति एक साल में अरबों डॉलर की होती है। अनुमान इस आधार पर लगाया गया कि आगे चलकर बच्चों की उत्पादक क्षमता में कितनी कमी आएगी। इन तथ्यों से स्पष्ट है कि बड़े स्तर पर उपयोग होने वाले केमिकल्स के स्वास्थ्य पर असर की ठीक-ठीक जानकारी प्राप्त करना और इस जानकारी के आधार पर समुचित कदम उठाना बहुत जरूरी है।

वह कब तक कहलाएगा पिंजरे का तोता

विभूति नारायण राय

सीबीआई का विवादों से पुराना रिश्ता रहा है। इसलिए जब खबर छपी कि नीरा राडिया टेप मामले में सीबीआई ने सर्वोच्च न्यायालय में यह कहकर क्लोजर रिपोर्ट लगा दी है कि उसे इनमें ऐसा कुछ नहीं मिला, जिनसे किसी आपराधिक कृत्य का होना पाया गया हो, तब कुछ भृकुटियां तनी जरूर, पर अधिकतर लोगों को आश्चर्य नहीं हुआ। सीबीआई को यूं ही हिज मास्टर्स वॉयस या पिंजरे का तोता जैसी उपाधियों से नवाजा नहीं गया है।

एक दशक से भी पुराना यह मामला इनकम टैक्स अधिकारियों द्वारा 2008-09 में सत्ता के गलियारों में उन दिनों के बहुचर्चित नाम नीरा राडिया और तत्कालीन संचार मंत्री ए राजा के बीच कई किस्तों में होने वाले वार्तालाप की रिकॉर्डिंग से संबंधित है। टेप में दर्ज आवाजें सिर्फ इन्हीं दोनों की नहीं हैं। इनमें दर्ज हैं उन सभी तबकों के बड़े प्रतिनिधियों के स्वर, जो भारतीय तंत्र में फैसलाकुन भूमिका निभाते हैं। इनमें दलाल, नेता, नौकरशाह, उद्योगपति, पत्रकार और गैर-सरकारी संगठनों से जुड़े भांति-भांति के जीव हैं। आजकल दलाल अपने को पॉलिटिकल लॉबिस्ट कहलवाना पसंद करते हैं और नीरा राडिया भी इसी श्रेणी में आती हैं। उनके बीच जो बातें हो रही हैं, वे लाइसेंस, कोटा या परमिट देने-दिलाने तक ही सीमित नहीं हैं, उनमें कुछ तो खतरनाक हद तक उन सीमाओं को लांघती हैं, जो राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी हैं। मसलन, इन टेप में दर्ज कुछ आवाजें केंद्रीय मंत्रिमंडल में खास नाम जुड़वाने और उन्हें अपने मतलब के विभाग आवंटित कराने की बातें कर रही हैं।

नीरा राडिया प्रकरण शुरू हुआ यूपीए सरकार के दौरान और इसका पटाक्षेप हो रहा है एक ऐसे दौर में, जब एनडीए की सरकार है। उन दिनों यूपीए सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के तमाम आरोप लगे थे और खास तौर से संचार मंत्रालय में चल रही टू-जी स्पेक्ट्रम आवंटन की प्रक्रिया बुरी तरह से शक के दायरे में थी। यहां तक कि विभाग के मंत्री और सचिव समेत कई वरिष्ठ अधिकारी जेल तक गए। इन आरोपों के चलते यूपीए सरकार का पतन भी हुआ।

सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट कई अप्रिय सवाल खडे. करती है। पहला तो संस्था की छवि से ही संबंधित है। कब यह खुद महसूस करेगी कि शाहे वक्त को खुश करते-करते उसने अपनी छवि का भट्ठा बैठा लिया है? सुप्रीम कोर्ट ने तो झुंझलाकर उसे पिंजरे का तोता तक कह डाला था। आज जब देश से एकदलीय सरकारों का दौर खत्म हो गया है, तब आधा दर्जन राज्य सरकारों ने उससे स्वत: तफ्तीश करने का अधिकार वापस ले लिया है। ज्ञातव्य है कि राज्य सरकारों के कर्मियों के विरुद्ध कदाचार या राज्यों में होने वाले आपराधिक मामलों में बिना राज्यों की अनुमति के सीबीआई कोई कार्रवाई नहीं कर सकती। जब तक केंद्र और राज्यों में एक ही दल की सरकारों का दौर रहा, राज्यों ने उसे स्वत: संज्ञान लेने का अधिकार दे रखा था, पर एक बहुदलीय संघीय गणतंत्र में तो हमेशा इसकी गुंजाइश बनी ही रहेगी कि अलग-अलग दल राज्य और केंद्र में शासन करें। ऐसे में, स्वाभाविक है कि कुछ राज्यों को लगा, सीबीआई का राजनीतिक इस्तेमाल हो रहा है और उन्होंने अपनी इजाजत वापस ले ली। यह राज्यों से अधिक सीबीआई के लिए चिंता का विषय होना चाहिए, क्योंकि इससे उसकी साख का मसला जुड़ा हुआ है।

इसे भी एक विडंबना ही कहेंगे कि आज भी आम नागरिक या न्यायालय किसी प्रकरण में त्वरित या निष्पक्ष विवेचना के लिए सीबीआई की तरफ ही देखते हैं। राज्यों में जैसे ही कोई गंभीर मसला होता है, स्थानीय पुलिस के प्रदर्शन से निराश नागरिक सीबीआई जांच की मांग करते हैं। वे इस मांग को लेकर अदालत जाते हैं, तो कई बार अदालतें स्वत: संज्ञान लेकर कुछ मामले सीबीआई को सौंप देती हैं।

अक्सर सीबीआई उन्हें निराश भी नहीं करती। स्पष्ट है कि उनके पास राज्य पुलिस को लेकर बहुत अच्छे अनुभव नहीं होते हैं। संसाधनों व विशेषज्ञता को लेकर सीबीआई निश्चित रूप से ज्यादा बेहतर स्थिति में है। फिर ऐसा क्या है कि सीबीआई नीरा राडिया जैसे दलदल में खुद को फंसा लेती है और अपनी साख का बंटाधार कर बैठती है?

अगर हम गौर से देखें, तो सीबीआई और राज्य पुलिस- दोनों का प्रदर्शन व्यापक पुलिस सुधारों के मुद्दों से जुड़ा हुआ है। जिस मुख्य कारण से राज्य पुलिस असफल होती है, वही सीबीआई की विफलता के लिए भी जिम्मेदार है। यह है इन संस्थाओं में गैर-पेशेवर दखलंदाजी, जो मुख्य रूप से सत्ता पार्टी द्वारा होती है। आजादी के बाद कई पुलिस आयोग बने और उनकी सिफारिशें सचिवालयों में धूल फांक रही हैं। प्रकाश सिंह मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए थे, जिनका राज्यों ने आधे-अधूरे मन से अनुपालन किया और नतीजतन उनका कोई खास असर नहीं दिखता। इसी तरह, सीबीआई निदेशक की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कुछ दिशा-निर्देश जारी जरूर किए, पर संस्था की कार्य-प्रणाली पर उसका बहुत असर हुआ हो, ऐसा नहीं लगता।

जिस टेप प्रकरण मामले में सीबीआई ने क्लोजर रिपोर्ट लगाई है, उसमें कुछ भी गोपनीय नहीं रह गया था। कॉरपोरेट प्रतिद्वंद्विता ने टेप की प्रतियां आम जनता तक पहुंचा दी थीं, इसलिए कहा जा सकता है कि यहां सारे अधोवस्त्र सार्वजनिक रूप से धुले गए। एक पात्र के वकील ने कहा कि इनमें नितांत निजी बातें हैं, लिहाजा उन पर अदालत में चर्चा नहीं की जा सकती है। यह समझ में नहीं आता कि चंद मिनटों की रसीली बातें सैकड़ों घंटों की गंभीर चर्चा को नितांत निजी कैसे बना सकती है, जिनमें उन बड़े सौदों की बातें हो रही हैं, जो देश की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण थे? क्या हम एक बनाना रिपब्लिक हैं कि सत्ता के गलियारों में मटकने वाले कुछ दलाल खुलेआम बातें करें कि मंत्रिमंडल में किसे शरीक कराना है और उसे कौन सा विभाग दिलाना है? अगर किसी ने ये टेप सुने हों, तो वह सहमत होगा कि लगभग हर वार्तालाप कोई ऐसा द्वार खोलता था, जिसके अंदर घुसते ही भ्रष्टाचार व अपराध की ऐसी दुनिया झलकती थी, जिसकी गहराई से जांच होनी चाहिए थी।

सीबीआई ने यह दावा करके कि इन बातचीत से किसी अपराध की गंध नहीं मिलती, अपनी छवि को तो चोट पहुंचाई ही, उसने राष्ट्र-सेवा का स्वर्णिम अवसर भी गंवा दिया, जिसमें वह कुछ बड़े मगरमच्छों को कठघरे में खड़ा कर सकती थी।

भू-राजनीति की कड़व हकीकत

मरिआना बाबर

यदि आप किसी से उम्मीद करते हैं, तो निराश होना स्वाभाविक है। दरअसल हाल ही में संपन्न हुई शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के दौरान मैं अपनी निराशा छिपा नहीं सकी। पूरी दुनिया जानती है कि दुर्भाग्य से पाकिस्तान इन दिनों इतिहास के सबसे बुरी प्राकृतिक आपदाओं में से एक का सामना कर रहा है। कई महीने बीत गए हैं, लेकिन मुल्क का एक तिहाई से अधिक हिस्सा, जो किसी छोटे यूरोपीय देश के आकार के बराबर है, अब भी पानी में डूबा हुआ है और लोगों की मुश्किलें कम नहीं हुई हैं।

मौत, भूख और बीमारी वैसे लोगों का पीछा कर रही है, जो ऐसे मुश्किल वक्त में बच गए हैं, जब कब्रिस्तान तक पानी में डूबे हुए हैं और सड़ती हुई लाशों को दफनाने के लिए कहीं सूखी जमीन नहीं बची है। मैं यह उम्मीद कर रही थी, जैसी कि हमारी एशियाई परंपरा है, भारतीय प्रधानमंत्री मोदी अपने पाकिस्तानी समकक्ष शहबाज शरीफ से मिलकर शोक-संवेदना के दो शब्द कहेंगे।

मुझे नहीं लगता कि भारत में ऐसा कोई होगा, जो इसमें दोष ढूंढेगा या मानवीय दृष्टिकोण के लिए उनकी आलोचना करेगा। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पड़ोसी से पूरी तरह परहेज किया। यदि किन्हीं वजहों से ऐसा संभव नहीं था, तो जब मोदी शंघाई सहयोग संगठन की बैठक को संबोधित कर रहे थे, तभी इस विषय पर कुछ बोल सकते थे, क्योंकि यह सर्वविदित था कि वहां उपस्थित दोनों मुल्कों के प्रधानमंत्रियों और विदेश मंत्रियों के बीच कोई औपचारिक द्विपक्षीय वार्ता नहीं होगी।

प्राकृतिक आपदाएं राजनीति का विषय नहीं हैं। पाकिस्तान के साथ अभी जो हो रहा है, वह अगली बार किसी के साथ भी हो सकता है, क्योंकि कुदरत के कहर से कोई नहीं बचा है। कम से कम शंघाई सहयोग संगठन की बैठक एक ऐसा अवसर था, जहां दोनों पक्ष जलवायु परिवर्तन के समान एजेंडा के लिए एक साथ आ सकते थे और दोनों देश एक-दूसरे पर कोई शर्त लादे बिना यह विचार कर सकते थे कि इस मुद्दे पर कैसे एक साथ काम कर सकते हैं।

लेकिन शायद मैं स्वप्न-लोक में जी रही हूं और भू-राजनीति की वास्तविकता बिल्कुल अलग है। काश, मैं पाठकों को एक छोटी लड़की का वीडियो दिखा पाती, जो सौभाग्य से अपने गांव में बाढ़ से बच गई थी, लेकिन बहुत भूखी थी। उस वीडियो में वह खाली बर्तन से कुछ खाने का नाटक करती नजर आ रही है। हो सकता है कि बर्तन के निचले हिस्से में कुछ दाने चिपके हों, जिसे वह इस उम्मीद में खुरचने की कोशिश कर रही हो कि कुछ दाने उसके मुंह में आ जाएंगे।

लेकिन हर बार वह विफल रहती है। ऐसे में यह देखकर वाकई खुशी हुई कि पाकिस्तान के कुछ इलाकों में धर्म ने मानवता और धार्मिक सद्भाव को विभाजित नहीं किया है। जलाल खान के गांव में, जहां कुछ भी नहीं बचा है और नदियों ने बलूचिस्तान को पूरी तरह से काट दिया है, जहां सरकार भी नहीं पहुंच पाई है, स्थानीय हिंदू समुदाय की ओर से मदद की जा रही है, जिन्होंने न सिर्फ बाढ़ से बचे लोगों का, बल्कि उनके मवेशियों का भी स्वागत किया।

जिस मंदिर के माध्यम से हिंदू समुदाय मदद कर रहा है, उसका नाम बाबा माधोदास मंदिर है। माधोदास विभाजन से पहले के हिंदू संत थे और जिनका इलाके के हिंदू और मुसलमान समान रूप से आदर करते थे। इस मुश्किल वक्त में स्थानीय हिंदू समुदाय ने बाढ़ प्रभावित लोगों, जिनमें कई मुस्लिम भी थे, और उनके मवेशियों के लिए मंदिर का द्वार खोल दिया।

स्थानीय हिंदुओं द्वारा लाउडस्पीकर पर घोषणाएं की गईं, जिसमें मुसलमानों से शरण लेने के लिए मंदिर आने का आह्वान किया गया। सामान्य समय में पूरे बलूचिस्तान से हिंदू उपासक बाबा माधोदास मंदिर में पूजा करने के लिए आते हैं। हिंदू समुदाय का कहना है कि आजीविका की तलाश में बहुत से स्थानीय लोग अन्य बड़े शहरों में चले गए और यह एक छोटी-सी आबादी है, जो गांव में बची हुई है।

पूरे इतिहास में, हमने देखा है कि कैसे पूजा स्थल, चाहे वे किसी भी धर्म के क्यों न हों, आपदा से बच गए हैं। सौभाग्य से बाबा माधोदास मंदिर ऊंची जगह पर पूरी तरह से कंकरीट से बनाया गया था, इसलिए बाढ़ से यह नष्ट नहीं हुआ। खबरों के मुताबिक, मंदिर में सौ से ज्यादा कमरे हैं, जो पाकिस्तान में सामान्य मानक के मुताबिक बड़ा मंदिर है और सौभाग्य से मंदिर के कुछ ही कमरों को बाढ़ से नुकसान हुआ है।

इस बीच पाकिस्तान के दक्षिणी प्रांत सिंध की राजधानी कराची, जो सौभाग्य से बाढ़ से प्रभावित नहीं है, के प्रसिद्ध बाजार में काफी उत्साह दिखा। हालांकि कई इतिहासकार कराची शहर की पुरातनता को लेकर अलग-अलग दावे करते हैं कि यह शहर कितना पुराना है, लेकिन हाल में प्राप्त एक हिंदू मूर्ति से पता चलता है कि यह बंदरगाह शहर 1,500 वर्ष पुराना हो सकता है। यहां सोल्जर बाजार नामक एक प्रसिद्ध इलाके में एक प्राचीन पंचमुखी हनुमान मंदिर स्थित है।

विशेषज्ञों ने निर्माण कार्य के दौरान खुदाई में कई सौ साल पुरानी मूर्तियों की खोज की, और ऐसी ही एक मूर्ति 1,500 साल पुरानी है। साथ ही कराची के पास तट पर कई द्वीप हैं। ऐसा ही एक द्वीप है मनोरा, जहां मैं कई बार नाव से पिकनिक मनाने गई हूं। अब यह याद करने का समय है कि कैसे मनोरा द्वीप पर आज भी शांति, मानवता और धार्मिक सद्भाव कायम है।

यहां 1890 में बनी सिफा जामिया मस्जिद के अलावा, गुरुद्वारा श्री गुरुनानक साहिब देवजी है, जो 1935 में बना और पीले पत्थरों वाला वरण देवी मंदिर भी है, जो 1623 में बना। ऐसे सैकड़ों-हजारों साल के प्रमाण हैं, जो बताते हैं कि विभिन्न धर्मों के लोगों के बीच सह-अस्तित्व संभव है। लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि राजनीतिक बाधाओं और घरेलू दबाव के कारण पाकिस्तान भारत से सब्जियों का आयात नहीं कर सका, जहां से वह सबसे तेजी से सब्जियां मंगा सकता है, जो हाल की बाढ़ में नष्ट हो गई थी।

गुलाब की खेती

भूमिका

गुलाब अपनी उपयोगिताओं के कारण सभी पुष्पों में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। आमतौर पर गुलाब का पौधा ऊंचाई में 4-6फुट का होता है। तने में असमान कांटे लगे होते हैं। गुलाब की 5 पत्तियां मिली हुई होती है। बहुत मात्रा में मिलने वाला गुलाब का फूल गुलाबी रंग का होता है। गुलाब का फल अंडाकार होता है। इसका तना कांटेदार, पत्तियां बारी-बारी से घेरे में होती है। पत्तियों के किनारे दांतेदार होती है। फल मांसल बेरी की तरह होता है जिसे 'रोज हिप' कहते हैं। गुलाब का पुष्पवृन्त कोरिम्बोस, पेनीकुलेट या सोलिटरी होता है।

गुलाब एक भारतीय पुष्प है। पूरे भारत में गुलाब के पौधे पाए जाते हैं। गुलाब का वैज्ञानिक नाम रोजा हाइब्रिडा है। देशी गुलाब लाल रंग का होता है। परन्तु कलम करके कई रंगो के गुलाब उगाए जाते हैं। गुलाब एक ऐसा फूल है, जिसके बारे में सब जानते हैं। गुलाब का फूल दिखने में जितना अधिक सुन्दर होता है। उससे कहीं ज़्यादा उसमें औषधीय गुण होते हैं। यह सबसे पुराना सुगन्धित पुष्प है, जो मनुष्य के द्वारा उगाया जाता था। इसके विभिन्न प्रकार के सुन्दर फूल जो कि आर्कषक, आकृति, विभिन्न आकार, मन को लुभाने वाले रंगों और अपने विभिन्न उपयोगिताओं के कारण एक महत्त्वपूर्ण पुष्प माना जाता है।

गुलाब की उपज भूमि की उर्वरा शक्ति फसल की देखरेख एवं प्रजातियों पर निर्भर करती हैढ्ढ फूलों का गुण हैं खिलना, खिल कर महकना, सुगंध बिखेरना, सौंदर्य देना और अपने देखने वाले को शांति प्रदान करना। फूलों की इस खूबसूरत दुनिया में गुलाब का एक ख़ास स्थान है क्योंकि इसे सौंदर्य, सुगंध और खुशहाली का प्रतीक माना गया है। तभी तो इसे 'पुष्प सम्राट' की संज्ञा दी गयी है और 'गुले-आप', यानी फूलों की रौनक भी कहा गया है। इस की भीनीभीनी मनमोहक सुगंध, सुन्दरता, रंगों की विविध किस्मों के कारण हर प्रकृति प्रेमी इसे अपनाना चाहता है।

भारत में गुलाब हर जगह उगाया जाता है। बागबगीचों, खेतों, पार्कों, सरकारी व निजी इमारतों के अहातों में, यहाँ तक कि घरों की ग्रह-वाटिकाओं की क्यारियों और गमलों में भी गुलाब उगा कर उस का आनंद लिया जाता है। गुलाब पूरे उत्तर भारत में, खासकर राजस्थान में तथा बिहार और मध्य प्रदेश में जनवरी से अप्रैल तक खूब खिलता है। दक्षिण भारत में खासतौर पर बंगलौर में और महारास्ट्र और गुजरात में भी गुलाब की भरपूर खेती होती है।

गुलाब को घर पर गमले में खिड़की की मंजूषा में, रसोई बगीचे की क्यारी में, आँगन में उगाने के लिए पर्याप्त धूप का होना एक आवश्यक शर्त है। गुलाब को दिन में कम से कम छः से आठ घंटे की खुली धूप होना आवश्यक है। गुलाब के पौधों के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त मिट्टी अच्छी होती है। बहुत चिकनी मिट्टी इसके अनुकूल नहीं होती है। मिट्टी का जल निकास और वायुसंचार सुचारु होना चाहिए। भूमि में हल्की नमी बनी रहना चाहिए। गुलाब को विश्वभर में पसंद किया जाता है। इस पर व्यापक अनुसंधान एवं विकास कार्य किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुलाब प्रेमियों के संगठन हैं, जो नई किस्मों के विकास, परिचिन्हन, मानकीकरण आदि करते हैं। इसके अनुसार पौधों की बनावट, ऊँचाई, फूलों के आकार आदि के आधार पर इन्हें निम्न वर्गों में बाँटा गया है।

गुलाब का व्यवसाय

गुलाब की खेती व्यावसायिक स्तर पर करके काफी लाभ कमाया जा सकता है। गुलाब की खेती बहुत पहले से पूरी दुनिया में की जाती हैढ्ढ इसकी खेती पूरे भारतवर्ष में व्यवसायिक रूप से की जाती हैढ्ढ गुलाब के फूल डाली सहित या कट फ्लावर तथा पंखुड़ी फ्लावर दोनों तरह के बाजार में व्यापारिक रूप से पाये जाते हैढ गलाब की खेती देश व विदेश निर्यात करने के लिए दोनों ही रूप में बहुत महत्वपूर्ण हैढ्ढ गुलाब को कट फ्लावर, गुलाब जल, गुलाब तेल, गुलकंद आदि के लिए उगाया जाता हैढ्ढ गुलाब की खेती मुख्यतः कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्रा, बिहार, पश्चिम बंगाल ,गुजरात, हरियाणा, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, आंध्रा प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में अधिक की जाती हैढ्ढ

फूल के हाट में गुलाब के गजरे खूब बिकते हैं। गुलाब की पंखुडियों और शक्कर से गुलकन्द बनाया जाता है। गुलाब जल और गुलाब इत्र के कुटीर उद्योग चलते है। उत्तर प्रदेश में कन्नौज, जौनपुर आदि में गुलाब के उत्पाद की उद्योगशाला चलती है। दक्षिण भारत में भी गुलाब के उत्पाद के उद्योग चलते हैं। दक्षिण भारत में गुलाब फूलों का खूब व्यापार होता है। मन्दिरों, मण्डपों, समारोहों, पूजा-स्थलों आदि स्थानों में गुलाब फूलों की भारी खपत होती है। यह अर्थिक लाभ का साधन है। वहाँ हजारों ग्रामीण युवा फूलों को अपनी आय का माध्यम बना लेते हैं।

गुलाब की किस्में

भारत में उगाई जाने वाली गुलाब की परम्परागत किस्में हैं, जो देश के अलगअलग इलाकों में उगाई जाते हैं, विदेशों से भी

अलगअलग किस्में मांगा कर उन का 'संकरण' (2 किस्मों के बीच क्रास) कर के अनेक नई व उन्नत किस्में तैयार की गयी हैं, जो अब अपने देश में बहुत लोकप्रिय हैं।

गुलाब की विदेशी किस्में जर्मनी, जापान, फ्रास, इंग्लैण्ड, अमेरिका, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से मंगाई गयी हैं। भारतीय गुलाब विशेषज्ञों ने देशी किस्मों में भी नयी विकसित 'संकर' (हाईब्रिड) किस्में जोड़ कर गुलाब की किस्मों की संख्या में वृद्धि की है। इस दिशा में दिल्ली स्थित भारती कृषि अनुसंधान संस्थान का अनुसंधान कार्य ख़ास उल्लेखनीय है। दक्षिण भारत में भारतीय बागबानी अनुसंधान संसथान, बंगलौर ने भी किस्मों के विकास और वृद्धि में भरपूर कार्य किया है। मात्र शौक और सजावट के लिये गुलाब का पौधा जब गमले में उगाया जाए तो किस्मों का चुनाव भी उसी के अनुसार किया जाना चाहिए। व्यावसायिक स्तर पर गुलाब की खेती करनी हो तो वैसी ही किस्मों का चयन करें। इस बारे में प्रायः सभी बड़ी नर्सरियों में पूरी जानकारी मिल सकती है। दिल्ली में हों तो भारतीय कृषि अनुसंधान पूसा के पुष्प विज्ञान विभाग से उचित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

वैसे तो विश्व भर में गुलाब की किस्मों की संख्या लगभग 20 हजार से अधिक है, जिन्हें विशेषज्ञों ने विभिन्न वर्गों में बांटा है लेकिन तक्तीकी तौर पर गुलाब के 5 मुख्य वर्ग हैं, जिन का फूलों के रंग, आकार, सुगंध और प्रयोग के अनुसार विभाजन किया गया है, जो इस प्रकार हैः हाईब्रिड टीज, फ्लोरीबंडा, पोलिएन्था वर्ग, लता वर्ग और मिनिएचर वर्ग।

हाईब्रिड टीज वर्ग

यह बड़े आकार के गुलाबों का एक महत्वपूर्ण वर्ग है, जिस में टहनी के ऊपर या सिरे पर एक ही फूल खिलता है, इस वर्ग की अधिकतर किस्में यूरोप और छीन के 'टी' गुलाबों के 'संकर' (क्रास) से तैयार की गयी है, इस वर्ग की भारतीय किस्में हैं ः डा.होमी भाभा, चितवन, भीम, चित्रलेखा, चंद्वंदीकली, गुलजार, मिलिंद, मृणालिनी, रक्तगंधा, सोमा, सुरभी, नूरजहाँ, मदहोश, डा. बैंजमन पाल आदि।

हाइब्रिड टी (एचटी),इस वर्ग के पौधे बड़े, ऊँचे व तेजी से बढ़ने वाले होते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में अर्जुन, जवाहर, रजनी, रक्तगंधा, सिद्धार्थ, सुकन्या आदि हैं। इनके पुष्प शाखा के सिरे पर बड़े आकर्षक लगते हैं। एक शाखा के सिरे पर एक ही फूल आता है।

फ्लोरीबंडा वर्ग

यह हाईब्रिड टीज और पोलिएन्था गुलाबों के संकर (मिलन) से विकसित किये गए गुलाबों का वर्ग है। इस के फूल उपेक्षाकृत छोटे किन्तु गुच्छों में खिलतें हैं और आकार व वजन में बढ़िया होते हैं। इस वर्ग के फूल गृहवाटिका की क्यारियों और गमलों में ज्यादा देखने को मिलते हैं। इस किस्म की विशेषता है कि इन के पौधे कम जगह में ही उगा कर पर्याप्त फ्लोरीबंडा, इसके पौधे मध्यम लंबाई वाले होते हैं, इनमें फूल भी मध्यम आकार के और कई फूल एक साथ एक ही शाखा पर लगते हैं। इनके फूलों में पंखुड़ियों की संख्या हाइब्रिड टी के फूलों की अपेक्षा कम होती हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में बंजारन, आम्रपाली, ज्वाला, रांगोली, सुषमा आदि हैं।

ग्रेन्डीफ्लोरा

यह उपरोक्त दोनों किस्मों के संयोग से तैयार किया गया है। गुलदानों में इस वर्ग के फूलों को अधिक पसंद किया जाता है। बड़े स्तर पर खेती के लिए इस वर्ग का अधिक उपयोग किया जाता है। गोल्ड स्पॉट, मांटेजुआ, क्वीन एलिजाबेथ इस वर्ग की प्रचलित किस्में हैं।

पॉलिएन्था

इस वर्ग के पौधों को घरेलू बगीचों व गमलों में लगाने के लिए पसंद किया जाता है। क्योंकि इनमें मध्यम आकार के फूल अधिक संख्या में साल में अधिक समय तक आते रहते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में स्वाति, इको, अंजनी आदि हैं।

मिनिएचर वर्ग

इस के पौधे, पट्टियां और फूल सभी छोटे होते हैं। पौधे कलामों द्वार उगे जाते हैं। यह गमलों, पतियों आदि में उगाने की उपयुक्त किस्म है। गृहवाटिका की क्यारियों के चारों ओर बार्डर लगाने के लिये भी उपयुक्त है। गुलाब के फूल खिलने का मौसम (अक्टूबर से मार्च) में इस किस्म के गुलाब खूब खिलते हैं। विभिन्न रंगों लगते हैं। इन्हें बड़े शहरों में बंगलों, फ्लैटों आदि में छोटे गमलों में लगाया जाना उपयुक्त रहता है, परंतु धूप की आवश्यकता अन्य गुलाबों के समान छः से आठ घंटे आवश्यक है। इस वर्ग की प्रमुख किस्में ड्वार्फ किंग, बेबी डार्लिंग, क्रीकी, रोज मेरिन, सिल्वर टिप्स आदि हैं।

लता वर्ग (क्लैम्बिंग एंड रैंबलिंग रोज)

इस वर्ग के गुलाब के पौधे लताओं के रोप में बढ़ते हैं और पैराबोला पर या दीवार का सहारा पा कर बढ़ते हैं। ये साल में केवल एक बार खिलते हैं।

ये गुलाब की बेल (लता) वाली किस्में हैं। इन्हें मेहराब या अन्य किसी सहारे के साथ चढ़ाया जा सकता है। इनमें फूल एक से तीन (क्लाइंबर) व गुच्छों (रेम्बलर) में लगते हैं। इस की मुख्य किस्में है सदाबहार, समर स्नो, डा.होमी भाभा, मार्शल नील, दिल्ली वाईट पर्ल आदि।

क्लाइंबर वर्ग की प्रचलित किस्में गोल्डन शावर, कॉकटेल, रायल गोल्ड और रेम्बलर वर्ग की एलवटाइन, एक्सेलसा, डोराथी पार्किंस आदि हैं।

गुलाब में जितने रंगों के फूल देखने को मिलते हैं उतने शायद किसी दूसरे फूल में नहीं। यदि सफ़ेद गुलाब हैं तो पीले, लाल, नारंगीलाल, रक्तलाल, गुलाबी लेवेंडर रंग के दोरंगे, तींरंगे और यहाँ तक कि अब तो नीले और काले रंग के गुलाब भी पाए जाते है।

गुलाब की खेती के लिए जलवायु और भूमि

गुलाब की खेती उत्तर एवं दक्षिण भारत के मैदानी एवं पहाड़ी क्षेत्रों में जाड़े के दिनों में की जाती हैढ्ढ दिन का तापमान 25 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तथा रात का तापमान 12 से 14 डिग्री सेंटीग्रेट उत्तम माना जाता हैढ्ढ गुलाब की खेती हेतु दोमट मिट्टी तथा अधिक कार्बनिक पदार्थ वाली होनी चाहिएढ्ढ जिसका पी.एच. मान 5.3 से 6.5 तक उपयुक्त माना जाता है।

गुलाब की उन्नतशील प्रजातियां

गुलाब की लगभग 6 प्रकार की प्रजातियां पाई जाती है प्रथम संकर प्रजातियां जिसमे कि क्रिमसन ग्लोरी, मिस्टर लिंकन, लवजान, अफकैनेडी, जवाहर, प्रसिडेंट, राधाकृषणन, फर्स्ट लव , पूजा, सोनिया, गंगा, टाटा सैंटानरी, आर्किड, सुपर स्टार, अमेरिकन हेरिटेज आदि हैढ्ढ दूसरे प्रकार कि पॉलीएन्था इसमे अंजनी, रश्मी, नर्तकी, प्रीत एवं स्वाती आदिढ्ढ तीसरे प्रकार कि फ़ लोरीबण्डा जैसी कि बंजारन, देहली प्रिंसेज, डिम्पल, चन्द्रमा, सदाबहार, सोनोरा, नीलाम्बरी, करिश्मा सूर्यकिरण आदिढ्ढ चौथे प्रकार कि गैंडीफलोरा इसमे क्वींस, मांटेजुमा आदिढ्ढ पांचवे प्रकार कि मिनीपेचर ब्यूटी क्रिकेट, रेड फ्लस, पुसकला, बेबीगोल्ड स्टार, सिल्वर टिप्स आदि और अंत में छठवे प्रकार कि लता गुलाब इसमे काक्लेट, ब्लैक बॉय, लैंड मार्क, पिंक मेराडोन, मेरीकलनील आदि पाई जाती है।

गुलाब के खेतों की तैयारी

सुंदरता की दृष्टि से औपचारिक लेआउट करके खेत को क्यारियों में बाँट लेते है क्यारियों की लम्बाई चौड़ाई 5 मीटर लम्बी 2 मीटर चौड़ी रखते हैढ्ढ दो क्यारियों के बीच में आधा मीटर स्थान छोड़ना चाहिएढ्ढ क्यारियों को अप्रैल मई में एक मीटर की गुड़ाई एक मीटर की गहराई तक खोदे और 15 से 20 दिन तक खुला छोड़ देना चाहिएढ्ढ क्यारियों में 30 सेंटीमीटर तक सूखी पत्तियो को डालकर खोदी गयी मिट्टी से क्यारियों को बंद कर देना चाहिए साथ ही गोबर की सड़ी खाद एक महीने पहले क्यारी में डालना चाहिए इसके बाद क्यारियों को पानी से भर देना चाहिए साथ ही दीमक के बचाव के लिए फ़ालीडाल पाउडर या कार्बोफ्यूरान 3 जी. का प्रयोग करेढ्ढ लगभग 10 से 15 दिन बाद ओठ आने पर इन्ही क्यारियों में कतार बनाते हुए पौधे व् लाइन से लाइन की दूरी 30 गुने 60 सेंटीमीटर रखी जाती हैढ्ढ इस दूरी पर पौधे लगाने पर फूलों की डंडी लम्बी व् कटाई करने में आसानी रहती है।

गुलाब की खेती के लिए आवश्यक सावधानियां

बरसात के मौसम में गमलों और क्यारियों में बहुत देर तक पानी भरा न रहने दें।

हर साल, पौधों की छंटाई कर, गमले के ऊपर की 2-3 इंच मिट्टी निकाल कर उस में उतनी ही गोबर की सड़ी खाद भर दें।

हर 2-3 साल के बाद सम्पूर्ण पौधे को मिट्टी सहित नए गमले में ट्रांसफर कर दें। चाहें तो गमले की मिट्टी बदल कर ताजा मिश्रण भरें।

यह प्रक्रिया सितम्बर-अक्टूबर में करें।

गुलाब की खेती में खाद और उर्वरकों की आवश्यकता

उत्तम कोटि के फूलों की पैदावार लेने के हेतु प्रूनिंग के बाद प्रति पौधा 10 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद मिट्टी में मिलाकर सिंचाई करनी चाहिएढ्ढ खाद देने के एक सप्ताह बाद जब नई कोपल फूटने लगे तो 200 ग्राम नीम की खली 100 ग्राम हड्डी का चूरा तथा रासायनिक खाद का मिश्रण 50 ग्राम प्रति पौधा देना चाहिएढ्ढ मिश्रण का अनुपात एक अनुपात दो अनुपात एक मतलब यूरिया, सुपर फास्फेट, पोटाश का होना चाहिए।

गुलाब की देखभाल

गुलाब के लिए सिंचाई का प्रबंधन उत्तम होना चाहिएढ्ढ आवश्यकतानुसार गर्मी में 5 से 7 दिनों के बाद तथा सर्दी में 10 से 12 दिनों के बाद सिंचाई करते रहना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मैदानी भागो में कटाई-छटाई हेतु अक्टूबर का दूसरा सप्ताह सर्वोत्तम होता है लेकिन उस समय वर्षा नहीं होनी चाहिएढ्ढ पौधे में तीन से पांच मुख्य टहनियों को 30 से 40 सेंटीमीटर रखकर कटाई की जाती हैढ्ढ यह ध्यान रखना चाहिए कि जहाँ आँख हो वहाँ से 5 सेंटीमीटर ऊपर से कटाई करनी चाहिएढ्ढ कटे हुए भाग को कवकनाशी दवाओ से जैसे कि कापर आक्सीक्लोराइड, कार्बेन्डाजिम, ब्रोडोमिश्रण या चौबटिया पेस्ट का लेप लगना आवश्यक होता हैढ्ढ

गमलों के लिये मिट्टी का मिश्रण कुछ इस तरह से रखें। 2 भाग खेत की मिटटी, एक भाग खूब सड़ी गोबर की खाद, एक भाग में सूखी हरी पत्ते की खाद (लीफ मॉल्ड) और लकड़ी का बुरादा मिला लें। सम्भव हो तो कुछ मात्रा में हड्डी का चुरा भी मिला लें। इस से पौधों और जड़ों का अच्छा विकास होता है।

याद रहे कि गमलों में पौधों का रखरखाव वैसा ही हो, जैसी कि क्यारियों में होता है, उन की उचित निराईगुडाई में होता है। मसलन, पौधों को पूरी खुराक मिले, उन की उचित निराईगुडाई और सिंचाई हो, कीट व्याधियों से बचाव हो, गमलों के पौधों को मौसम के अनुसार समय-समय पर पानी दिया जाए और उन की कटाईछंटाई भी की जाए। सप्ताह में एक बार गमलों की दिशा भी अवश्य बदलें और उन के तले से पानी निकलने का चित्र भी उचित रूप से खुला रखें। गुलाब में माहू, दीमक एवं सल्क कीट लगते हैढ्ढ माहू तथा सल्क कीट के दिखाई देने पर तुरंत डाई मिथोएट 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में या मोनोक्रोटोफास 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 -3 छिड़काव करना चाहिएढ्ढ दीमक के नियंत्रण हेतु सिंचाई करनी चाहिए तथा फोरेट 10 जी. 3 से 4 ग्राम या फ़ालीडाल 2त्न धुल 10 से 15 ग्राम प्रति पौधा गुड़ाई करके भूमि में अच्छी तरह मिला देना चाहिए।

गुलाब के फूलों की कटाई

सफ़ेद, लाल, गुलाबी रंग के फूलों की अध् खुली पंखुड़ियों में जब ऊपर की पंखुड़ी नीचे की ओर मुड़ना शुरू हो जायें तब फूल काटना चाहिएढ्ढ फूलों को काटते समय एक या दो पत्तियां टहनी पर छोड़ देना चाहिए जिससे पौधों की वहाँ से बढ़वार होने में कोइ परेशानी न हो सकेढ्ढ फूलों की कटाई करते समय किसी बर्तन में पानी साथ में रखना चाहिए जिससे फूलों को काटकर पानी तुरंत रखा जा सकेढ्ढ बर्तन में पानी कम से कम 10 सेंटीमीटर गहरा अवश्य होना चाहिए जिससे फूलों की डंडी पानी में डूबी रहे पानी में प्रिजर्वेटिव भी मिलाते हैढ्ढ फूलों को कम से कम 3 घंटे पानी में रखने के बाद ग्रेडिंग के लिए निकालना चाहिएढ्ढ यदि ग्रेडिंग देर से करनी हो तो फूलों को 1 से 3 डिग्रीसेंटीग्रेट तापक्रम पर कोल्ड स्टोरेज रखना चाहिए जिससे कि फूलों की गुणवत्ता अच्छी रह सके

गुलाब के पौधे गृहवाटिका में मिटटी के गमलों में आसानी से उगे जा सकते हैं, जो कम से कम 30 सेंटीमीटर घेरे के और उतने ही गहरे हों। मिनिएचर गुलाब के लिये 20 से 25 सेंटीमीटर आकार के गमले पर्याप्त हैं। गमलों को स्वच्छ वातावरण में रखा जाए। जैसे ही नयी कोपलें और शाखाएं अंकुरित होने लगें, उन्हें ही सूरज की रोशनी में रखें। दिन भर इन्हें 4-5 घंटे धूप अवश्य मिलनी चाहिए। हाँ, गरमी की कड़कती धूप में 1-2 घंटे ही पर्याप्त हैं।

जब जहाँ भी चारों ओर गुलाब खिलता है तो सब ओर इस की सुरभि व्याप्त हो जाती है। फरवरी-मार्च में गुलाब अपने पूर्ण यौवन और बहार पर होता है। आओ, इसे अपनी गृहवाटिका में उगायें और इस के सौंदर्य और महक का आनंद लें।

गुलाब की खेती करने के लिए पौध तैयार करना

आमतौर पर जुलाई-अगस्त में मानसून आते ही गुलाब लगाया जाता है। सितम्बर-अक्टूबर में तो यह भरपूर उगाया जाता है। गुलाब लगाने की सम्पूर्ण विधि और प्रक्रिया अपनाई जाए तो यह फूल मार्च तक अपने सौंदर्य, सुगंध और रंगों से न केवल हमें सम्मोहित करता है बल्कि लाभ भी देता है। जंगली गुलाब के ऊपर टी बडिंग द्वारा इसकी पौध तैयार होती हैढ्ढ जंगली गुलाब की कलम जून-जुलाई में क्यारियों में लगभग 15 सेंटीमीटर की दूरी पर लगा दी जाती हैढ्ढ नवम्बर से दिसंबर तक इन कलम में टहनियां निकल आती है इन पर से कांटे चाकू से अलग कर दिए जाते हैढ्ढ जनवरी में अच्छे किस्म के गुलाब से टहनी लेकर टी आकार कालिका निकालकर कर जंगली गुलाब की ऊपर टी में लगाकर पालीथीन से कसकर बाँध देते हैढ्ढ ज्यो-ज्यो तापमान बढता है तभी इनमे टहनी निकल आती हैढ्ढ जुलाई अगस्त में रोपाई के लिए पौध तैयार हो जाती है। पौधशाला से सावधानीपूर्वक पौध खोदकर सितम्बर-अक्टूबर तक उत्तर भारत में पौध की रोपाई करनी चाहिएढ्ढ रोपाई करते समय ध्यान दे कि पिंडी से घास फूस हटाकर भूमि की सतह से 15 सेंटीमीटर की ऊंचाई पर पौधों की रोपाई करनी चाहिएढ्ढ पौध लगाने के बाद तुरंत सिंचाई कर देना चाहिए।

'पहले हिजाब पहनो फिर लेना इंटरव्यू', न्यूज एंकर ने किया मना तो ईरान के राष्ट्रपति ने इंटरव्यू देने से किया इनकार

तेहरान । ड्रेस कोड को लेकर देश में जारी अशांति में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने हिजाब-बहस को एक नया आयाम दिया है। उन्होंने हिजाब पहनने से इनकार करने के लिए अमेरिकी पत्रकार क्रिस्टीन अमनपुर के साथ एक निर्धारित साक्षात्कार रद्द कर दिया। अमेरिकी समाचार मीडिया सीएनएन-प्रतिनिधि क्रिस्टीना को गुरुवार को रईसी के साथ एक विशेष साक्षात्कार के लिए समय दिया गया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेने के लिए रोज़ी अभी न्यूयॉर्क में हैं। जब क्रिस्टीना नियत समय पर पहुंची तो राष्ट्रपति कार्यालय के अधिकारियों ने उन्हें हिजाब (सिर ढकने) पहनने की 卐सलाह卐 दी। लेकिन अमेरिकी महिला पत्रकार ने सीधे तौर पर इसका खंडन किया और कहा कि उनके धर्म और संस्कृति के अनुसार ऐसे कपड़े पहनने की कोई जरूरत नहीं है। उसके बाद क्रिस्टीन और उसके सहायकों को करीब 40 मिनट तक बैठे रहे। बाद में रईसी के कार्यालय ने साक्षात्कार रद्द करने की जानकारी दी। इस घटना के बारे में ट्विटर पर क्रिस्टीन ने लिखा, 'कोई इंटरव्यू नहीं था, तो हम चले गए। पूरे ईरान में विरोध प्रदर्शन जारी हैं, लोग मर रहे हैं। राष्ट्रपति से बात करना जरूरी था। उन्होंने रईसी के लिए नामित खाली कुर्सी के सामने बैठे इंतजार की तस्वीर भी पोस्ट की। हिजाब न पहनने के 'अपराध' के आरोप में हिरासत में ली गई युवती महसा अमिनी की पुलिस हिरासत में मौत के बाद ईरान के आम लोग विरोध में सड़कों पर उतर आए है। राजधानी तेहरान समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में गुस्सा एक के बाद एक बढ़ता ही जा रहा है। जवाब में सरकार का उत्पीड़न भी शुरू हो गया है। अब तक हिजाब विरोधी प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई झड़पों में मरने वालों की संख्या 30 को पार कर चुकी है। ऐसे में अमेरिकी मीडिया ने ईरानी राष्ट्रपति के हिजाब की 'स्थिति' जानने के लिए उस इंटरव्यू का आयोजन किया. लेकिन रायसी ने बिना इंटरव्यू दिए उस स्थिति को स्पष्ट कर दिया।

डब्ल्यूएचओ प्रमुख घेब्रेयसस ने किया आगाह- कोविड-19 का वायरस अभी समाप्त नहीं हुआ

न्यूयॉर्क । वैश्विक स्वास्थ्य निगरानी संस्था विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख डॉ. टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने कोरोना महामारी को लेकर फिर चेतावनी दी है। अपने पुराने दावे को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि कोविड 19 महामारी खत्म नहीं हुई है, लेकिन अंत दिखाई दे रहा है। घेब्रेयसस ने कहा कि कोविड-19 से निपटने के लिए अभी काफी लंबा रास्ता तय करना है। मालूम हो कि कुछ दिन पहले टेड्रोस ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा था कि कोरोना महामारी को खत्म करने के लिए दुनिया कभी भी बेहतर स्थिति में नहीं थी अंत अब सामने है। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने एक इंटरव्यू में घोषणा की थी कि अमेरिका में 'महामारी खत्म हो गई है'। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए टेड्रोस कम उत्साहित दिखाई दिए। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि अंत को देखने में सक्षम होने का मतलब यह नहीं है कि महामारी खत्म हो गई है। उन्होंने दोहराया कि महामारी को समाप्त करने के लिए दुनिया अब तक की सबसे अच्छी स्थिति में थी। साप्ताहिक मौतों की संख्या में गिरावट जारी थी। जनवरी 2021 में मृत्यु दर चरम पर था। अभ उसका सिर्फ 10 प्रतिशत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक डॉ टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने बताया कि दुनिया की दो-तिहाई आबादी को कोविड वैक्सिन लगाया गया है। इसमें तीन-चौथाई स्वास्थ्य कार्यकर्ता और बुजुर्ग लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना की वजह से दुनिया ने ढाई साल अंधेरी सुरंग में बिताए हैं। अब हमने उस सुरंग के अंत में प्रकाश को देखना शुरू किया है। चीफ टेड्रोस का कहना है कि कोरोना से लड़ाई में अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है।

चीन में दो पूर्व सुरक्षा अधिकारियों को भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग को लेकर मौत की सजा

बीजिंग। चीन में एक पूर्व न्याय मंत्री सहित दो वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों को भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग को लेकर मौत की सजा सुनाई गई लेकिन उनकी सजा दो साल के लिए निलंबित की गई है। इन दोनों को यह सजा ऐसे समय सुनायी गई है जब चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के भ्रष्टाचार रोधी अभियान ने गति पकड़ी है। चीन में अगले महीने कम्युनिस्ट पार्टी कांग्रेस का आयोजन होने वाला है जिसमें शी के रिकार्ड तीसरे कार्यकाल को अनुमोदन दिये जाने की उम्मीद है। चीन के सरकारी मीडिया ने यहां बताया कि चीन के पूर्व न्याय मंत्री फू झेंगहुआ को बृहस्पतिवार को उत्तर-पूर्व चीन के जिलिन प्रांत में इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट ऑफ चांगचुन द्वारा 1.73 करोड़ अमरीकी डालर के भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के लिए मौत की सजा सुनाई गई। अदालत ने हालांकि उनकी सजा दो साल के लिए निलंबित कर दी। इसके कुछ घंटे बाद उसी अदालत ने जिआंगसू के पूर्व अधिकारी वांग लाइक को भी इसी तरह की सजा सुनायी गई और उनकी सजा भी दो साल के लिए निलंबित कर दी। सरकारी पीपुल्स डेली आनलाइन ने यहां बताया कि उन्हें यह सजा रिश्वतखोरी, आपराधिक गिरोहों से साठगांठ और पहचान पत्र के फर्जीवाड़े के लिए सुनाई गई है। पीपुल्स डेली ऑनलाइन की खबर के अनुसार, वांग जिआंगसु प्रांतीय समिति कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के पूर्व सदस्य और सीपीसी जिआंगसु प्रांतीय समिति की राजनीति और कानून समिति के पूर्व सचिव हैं। चीन में दोषियों में निलंबित मौत की सजा सुनाने का प्रावधान है और ऐसी सजा अपराध की गंभीरता को दर्शाने के लिए सुनायी जाती है। ऐसी सजा को बाद में आजीवन कारावास में बदल दिये जाने की संभावना होती है।

इमरान खान ने महिला न्यायाधीश के खिलाफ विवादित टिप्पणी के लिए माफी मांगी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक महिला न्यायाधीश के खिलाफ अपनी विवादित टिप्पणी के लिए बृहस्पतिवार को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में माफी मांग ली और वादा किया कि वह भविष्य में दोबारा ऐसा नहीं करेंगे। खान ने मुख्य न्यायाधीश अतहर मिनल्लाह की अगुवाई पीठ से कहा, 'अगर मैंने हद लांघी है तो मुझे खेद है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश मिनल्लाह की अगुवाई वाली बड़ी पीठ कर रही थी जिसमें न्यायमूर्ति मोहसिन अख्तर कियानी, न्यायमूर्ति मियां गुल हसन औरंगज़ेब, न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीर और न्यायमूर्ति बाबर सत्तार शामिल हैं। ऐसी संभावना थी कि उच्च न्यायालय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ज़ेबा चौधरी के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी करने के लिए 69 वर्षीय खान को अवमानना की कार्यवाही में आधिकारिक तौर पर अभ्यारोपित कर सकता है। खान कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच अदालत में पेश हुए। खान की ओर से अपनी विवादास्पद टिप्पणी के लिए न्यायाधीश चौधरी से माफी मांगने की इच्छा व्यक्त करने के बाद, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही स्थगित कर दी।

ईरान के एक दर्जन शहरों में फैला विरोध प्रदर्शन, हिंसा में 9 लोगों की मौत

तेहरान । हिजाब नियमों का उल्लंघन करने वाली 22 वर्षीय महिला की पुलिस हिरासत में मौत के बाद प्रदर्शनकारियों और ईरानी सुरक्षाबलों के बीच झड़पों में अब तक कम से कम नौ व्यक्तियों की मौत हो चुकी है। ईरान में जारी अशांति हाल के कई वर्षों में सबसे खराब स्थिति में जा पहुंची है। विरोध प्रदर्शन का सिलसिला फिलहाल थमता नहीं दिखाई दे रहा है। नाराज प्रदर्शनकारी एक दर्जन शहरों में सुरक्षा और अर्धसैनिक बलों से संघर्ष कर रहे हैं। ईरान के सरकारी टेलीविजन के एक प्रस्तोता ने दावा किया कि इन प्रदर्शनों में अब तक 17 लोग मारे जा चुके हैं, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया है कि उनकी जानकारी का क्या स्रोत है। विरोध पर सरकार की कार्रवाई की जानकारी अन्य लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रदर्शनकारियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप पर रोक लगाई गई है। ऐसा प्रतीत होता है कि अधिकारियों ने इन घटनाओं को बाहरी दुनिया तक पहुंचने से रोकने के लिए यह कदम उठाया है, जबकि सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि सरकार अशांति के समय हमेशा इस तरह के कदम उठाती है।

ईरान में प्रदर्शनों का यह सिलसिला ईरान की धर्माचार पुलिस द्वारा सख्ती से लागू किए गए ड्रेस कोड के उल्लंघन के मामले में लिए गिरफ्तार युवती महसा अमिनी की उत्पीड़न के बाद मौत के बाद शुरू हुआ और बाद में बड़े आंदोलन के रूप में फैल गया। महसा अमिनी की मौत की अमेरिका, यूरोपीय संघ और संयुक्त राष्ट्र ने कड़ी निंदा की है।

दक्षिण कोरिया के बूसान में अमेरिकी नौसेना का यद्धपोत यूनाल्ड रीगन डेरा डाले हुए।

पुतिन के रिजर्व फोर्स तैनाती के आदेश के बाद रूस में युवा बोले- 'हम बेमतलब की जंग में मरना नहीं चाहते'

येरेवान । रूस सात महीने से अधिक समय से यूक्रेन पर हमला कर रहा है। युद्ध के अनिर्णय के चलते पुतिन ने 3 लाख रिजर्व फोर्स की तैनाती के आदेश दिए तो रूस में अफरा-तफरी का माहौल है। यहां से कई युवा बिना कोई सामान लिए अलग-अलग जगहों पर भाग गए हैं। इन्हीं में से एक युवा दमित्री अरमेनिया पहुंचे। वह महज एक छोटा सा बैग लेकर पत्नी और बच्चों को छोड़कर यहां भाग आए। यह युवा यूक्रेन से जंग नहीं लड़ना चाहते। दमित्री ने कहा- 'मैं जंग के लिए नहीं जाना चाहता। मैं इस अर्थहीन युद्ध में मरना नहीं चाहता। यह भाई का कत्ल करने जैसा है।' दरअसल, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आदेश दिया है कि युवाओं को सेना में मिलिट्री सेवा देने के लिए इकट्ठा किया जाए। इसके विरोध में कई युवाओं ने देश छोड़ दिया है। वहां युवाओं के बीच भगदड़ मच गई है। 44 साल के सर्गेई अपने टीनएजर बेटे के साथ आए हैं। उन्होंने कहा कि रूस की परिस्थिति की वजह से हर शख्स वहां से निकलना चाहता है। अरमेनिया एयरपोर्ट पर सर्गेई बदहवास हालत में थे। उन्होंने भगदड़ की बात की पुष्टि तो कर दी, लेकिन अपना पूरा नाम बताने से मना कर दिया। उनके 17 साल के बेटे निकोलई ने कहा कि हमने सरकारी आदेश का इंतजार नहीं किया। मैं डरा हुआ नहीं हूं, लेकिन मुझे अनिश्चितता का आभास हो रहा है। येरेवान की एक ही फ्लाइट में पहुंचे कई रूसी नागरिकों का करीब-करीब यही कहना था। 39 साल के एलेक्सेई ने कहा कि 21वीं सदी में जंग बेतुकी बात है। उन्होंने कहा कि अब वे शायद ही कभी रूस लौट सकें। यह सब परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।

जेलेंस्की का सवाल, किस वजह से जापान, भारत, यूक्रेन सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य नहीं

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

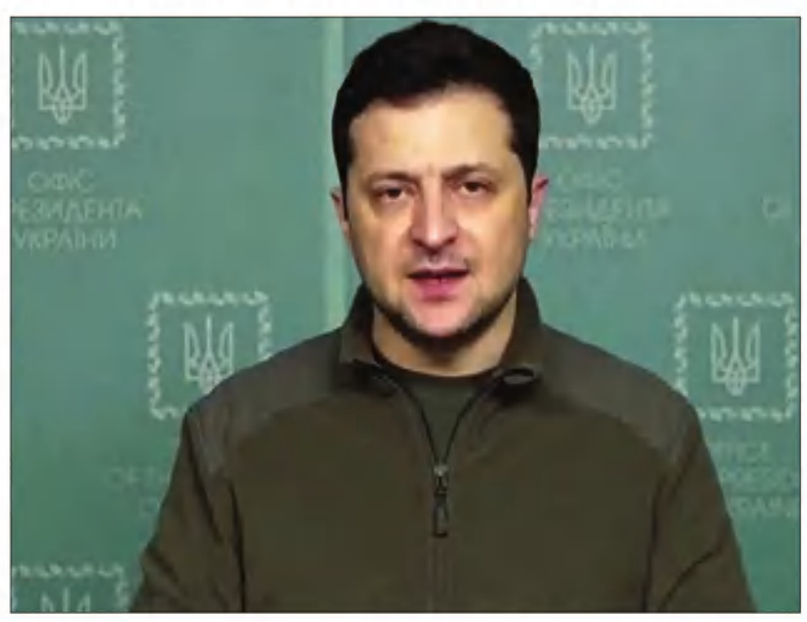

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने पूछा कि आखिर क्या वजह है कि भारत, जापान, ब्राजील और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य नहीं हैं। जेलेंस्की ने कहा कि 'वह दिन जरूर आएगा जब इसका हल निकलेगा।' यूक्रेन के राष्ट्रपति ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में वैश्विक नेताओं की आम बहस के दौरान अपने पूर्व-रिकॉर्डेड संदेश में कहा, 'संयुक्त राष्ट्र में सुधार के लिहाज से बहुत सारी बातें की गयीं। यह सब कैसे निपटेगा? कोई परिणाम नहीं निकला।' 'हमारे शांति सूत्र को ध्यान से देखने पर आप पाएंगे कि इसका कार्यान्वयन पहले से ही संयुक्त राष्ट्र के वास्तविक सुधार के तहत है। हमारा सूत्र सार्वभौमिक है, और दुनिया को उत्तर से लेकर दक्षिणी छोर तक जोड़ता है। यह दुनिया के उन लोगों के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने को प्रोत्साहित करता है जिन्हें कभी सुना नहीं गया।'

उन्होंने कहा, यह बात केवल यूक्रेन कह रहा है। क्या आपने कभी रूस से ऐसे शब्द सुने हैं? जबकि वह सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है। किस वजह से? आखिर क्या कारण है कि जापान, ब्राजील, तुर्किये, भारत, जर्मनी या यूक्रेन इसके सदस्य नहीं हैं। वह दिन जरूर आएगा जब यह मसला हल होगा।' भारत संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद में तत्काल लंबित सुधारों पर जोर देने के प्रयासों में सबसे आगे रहा है। भारत ने खुद भी इस बात पर बल दिया है कि वह सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य के रूप में स्थान हासिल करने का हकदार है।

वर्तमान में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य और 10 गैर-स्थायी सदस्य देश शामिल हैं, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा दो साल के कार्यकाल के लिए चुना जाता है। पांच स्थायी सदस्य रूस, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस और संयुक्त राज्य अमेरिका हैं। इन देशों के पास किसी भी मूल प्रस्ताव को वीटो (रोक लगाने) करने की शक्ति है। हाल ही में स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने की मांग तेज हो रही है।

जयशंकर ने कहा, भारत सभी युद्धों, वार्ताओं और कूटनीति को तत्काल समाप्त करने का पक्षधर है

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)।

भारत ने बृहस्पतिवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से कहा कि वक्त की जरूरत है कि यूक्रेन में युद्ध को समाप्त किया जाए और बातचीत की ओर लौटा जाए और ध्यान दिलाया कि परमाणु मुद्दा विशेषतौर चिंता वाली बात है। भारत ने रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से कहा था कि यह दौर युद्ध का दौर नहीं हो सकता है। यूक्रेन 'दंड माफी के खिलाफ लड़ाई' विषय पर 15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र परिषद में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, ''यूक्रेन युद्ध की दिशा पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए गभीर चिंता का विषय है। भविष्य के अनुमान और ज्यादा परेशान करने वाले दिख रहे हैं। परमाणु मुद्दा खास तौर पर चिंताजनक है।'' यूरोप और विदेश मामलों की फ्रांसीसी मंत्री कैथरीन कोलोना की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को यह चर्चा हुई। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र मे भाग लेने के लिए दुनिया भर के नेता संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एकत्र हैं। परिषद की इस चर्चा को संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस, अमेरिका के विदेश मंत्री एटनी ब्लिंकेन, चीन के विदेश मंत्री वांग यि, रूस के विदेश मंत्री सेरगेई लावरोव और ब्रिटेन के विदेश मंत्री, राष्ट्रमंडल और विकास मामलों के मंत्री, जेम्स क्लेवेर्ली और सुरक्षा परिषद के अन्य सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों ने संबोधित किया। जयशंकर ने परिषद को बताया कि वैश्विकरण के इस दौर में युद्ध का प्रभाव सुदूर क्षेत्रों में भी महसूस होने लगा है। उन्होंने कहा, ''हम सभी ने कीमतों में वृद्धि, खाद्यान्न, उर्वरक और ईंधन की कमी महसूस करनी शुरू कर दी है।'' उन्होंने कहा कि खास तौर से विश्व के दक्षिणी हिस्से का ज्यादा परेशानी हो रही है।

लिज़ ट्रस ने कहा कि ब्रिटेन के भारत, इज़राइल, इंडोनेशिया और दक्षिण अफ्रीका के साथ मजबूत संबंध हैं

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन की प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र में वैश्विक नेताओं से कहा कि उनका देश भारत, इजराइल, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका जैसे लोकतंत्रों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत कर रहा है। ट्रस ने बुधवार को कहा, ''इसलिए, हम दुनिया भर में नयी साझेदारियां स्थापित कर रहे हैं। हम नाटो और संयुक्त अभियान बल के माध्यम से यूरोप और उसके बाहर अपने गहरे सुरक्षा गठबंधनों को मजबूत कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''हम भारत, इजराइल, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका जैसे लोकतंत्रों के साथ अपने संबंधों को और मजबूत कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि ब्रिटेन हिंद-प्रशांत और खाड़ी क्षेत्र में अपने मित्र देशों के साथ नए सुरक्षा संबंध स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन ने स्वतंत्र और निष्पक्ष व्यापार में नेतृत्व दिखाते हुए ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान और कई अन्य लोगों के साथ व्यापार समझौते किए हैं। इसके अलावा ब्रिटेन 'ट्रांस-पैसिफिक साझेदारी' में शामिल होने की ''प्रक्रिया में हैं''।

बिलावल भुट्टो ने उठाया कश्मीर मुद्दा,

भारत बोला- अल्पसंख्यकों के अधिकारों के दमन का लंबा रहा है पाकिस्तानी इतिहास

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में कहा कि 'अल्पसंख्यकों के अधिकारों का घोर उल्लंघन' जैसे शब्दों का प्रयोग करना गलत है जिससे पाकिस्तान का कभी परिचय भी नहीं रहा है। संयुक्त राष्ट्र में संयुक्त सचिव श्रीनिवास गोटरू ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी की टिप्पणी के जवाब में यह बयान दिया। भुट्टो ने आरोप लगाया था कि भारत एक 'हिंदू वर्चस्ववादी राज्य' में बदल रहा है। गोटरू ने कहा कि यह विडंबना है कि पाकिस्तान अल्पसंख्यकों के अधिकारों की बात कर रहा है।

राजनयिक ने कहा कि एक ऐसे देश के लिए जिसने अपने शर्मनाक रिकॉर्ड को छिपाने के लिए अपना डेटा प्रकाशित करना बंद कर दिया है, यह आश्चर्यजनक है कि उन्होंने इस विषय को भी उठाया है।' 'अल्पसंख्यकों के अधिकारों का सबसे गंभीर उल्लंघन करने का इसका एक लंबा इतिहास रहा है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान ने अपने अल्पसंख्यकों को 'खत्म' कर दिया है और देश में कुछ ऐसे समुदाय विलुप्त हो गए हैं।

गोटरू ने कहा कि आज भी पाकिस्तान सिखों, हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदियों के अधिकारों का गंभीर उल्लंघन कर रहा है, 'हजारों महिलाओं और बच्चों, विशेष रूप से अल्पसंख्यक समुदायों की लड़कियों को पाकिस्तान के भीतर अपहरण, जबरन विवाह और धर्मांतरण के अधीन किया गया है। उन्होंने दोहराया कि जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्र शासित प्रदेश 'भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा थे, हैं और हमेशा रहेंगे।

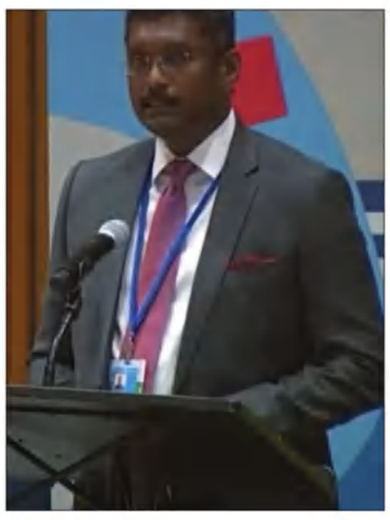

गेट्स फाउंडेशन ने गरीबी-असमानता दूर करने के लिए 1.27 अरब डॉलर देने का ऐलान किया

लंदन। (एजेंसी)।

बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन ने गरीबी और सामाजिक असमानता दूर करने के लिए 1.27 अरब अमेरिकी डॉलर के नये आर्थिक सहयोग का ऐलान किया है। यहां दो-दिवसीय कार्यक्रम के अंत में विश्वभर में बदलाव लाने वाले 300 से अधिक युवाओं ने हिस्सा लिया। वित्तीय प्रतिबद्धता संबंधी यह घोषणा फाउंडेशन की सालाना 'गोलकीपर्स' रिपोर्ट के एक हफ्ते बाद की गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य के लगभग सभी सूचकांकों को वर्ष 2030 तक प्राप्त करना मुश्किल है।

इन चुनौतियों के बावजूद, रिपोर्ट में गरीबी, असमानता और जलवायु परिवर्तन समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर दीर्घावधि समाधान और नवोन्मेषी दृष्टिकोण अपनाने पर ध्यान देते हुए प्रगति को तेज करने के अवसरों को रेखांकित किया गया है। फाउंडेशन की ओर से मंगलवार को कहा गया कि वित्तीय सहायता से विभिन्न वैश्विक संकट दूर होंगे, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य (वैश्विक लक्ष्य) को प्राप्त करने की दिशा में पहले ही हासिल की गई प्रगति को उलट दिया है।

दो दिवसीय गोलकीपर्स कार्यक्रम का आयोजन न्यूयॉर्क स्थित लिंकन केंद्र में संयोगवश संरा महासभा के वार्षिक सत्र के साथ ही हुआ। गेट्स फाउंडेशन के सीईओ मार्क सुजमैन ने कहा, ''इस हफ्ते ने हमारे समक्ष उपस्थित चुनौतियों की तात्कालिकता और जीवन को बचाने तथा इसमें सुधार के लिए स्थायी समाधान के वादे को रेखांकित किया है।'' गोलकीपर कार्यक्रम का समापन मंगलवार को हुआ, जिसमें वैश्विक नेताओं ने वैश्विक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मौजूदा और भावी प्रयासों को लेकर चर्चा की।

बारबाडोस के प्रधानमंत्री मिया मोटले, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज, बिल गेट्स, मेलिंडा फ्रेंच गेट्स समेत विश्वभर से 300 से अधिक युवा परिवर्तनकारियों, अन्य उभरते और स्थापित नेताओं ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। फाउंडेशन की सह प्रमुख मेलिंडा फ्रेंच गेट्स ने कहा, '' वर्ष 2019 के बाद से चीजें बहुत बदल गई हैं, लेकिन एक चीज नहीं बदली है। हम वैश्विक लक्ष्यों की दिशा में प्रगति नहीं कर सकते जब तक कि अनुभवी लोगों को शामिल नहीं किया जाता।

मुझे अपने गोलकीपर पुरस्कार विजेताओं और दुनिया के सभी हिस्सों के भागीदारों पर गर्व है, जो अगली पीढ़ी के नेताओं को तैयार करने के लिए काम कर रहे हैं।'' सहायता राशि एचआईवी, तपेदिक और मलेरिया से दो करोड़ और लोगों को बचाने के 'वैश्विक कोष' के लक्ष्य, भावी महामारियों की रोकथाम के लिए लचीली स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण तथा वर्ष 2030 तक इन बीमारियों के अंत के लिए विश्व को फिर से पटरी पर लाने के काम पर खर्च की जाएगी।

गेट्स फाउंडेशन ने वैश्विक कोष (ग्लोबल फंड) में अब तक की सबसे बड़ी वित्तीय प्रतिबद्धता के तहत 91.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि के योगदान की घोषणा की है। फाउंडेशन के सह प्रमुख बिल गेट्स ने कहा, '' स्वास्थ्य कार्यक्रम में जब सरकार, निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदाय मिलकर काम करते हैं, तो हम बड़ी प्रगति देखते हैं।''

बुमराह को लेकर असमंजस बरकरार, डेथ ओवरों की गेंदबाजी भारत के लिए चिंता

मुबई (एजेंसी)।

पहले मैच में बड़े स्कोर का बचाव करने में नाकाम रही भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला जीवंत रखने के लिए शुक्रवार को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपनी कमियों को दूर करने की कोशिश करेगी लेकिन स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर अब भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। बुमराह ने इंग्लैंड दौरे के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। वह पीठ दर्द के कारण एशिया कप में नहीं खेले थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के लिए उन्हें टीम में चुना गया लेकिन टीम प्रबंधन ने उन्हें मोहाली में पहले मैच में अंतिम एकादश में नहीं रखा।

इससे यह आशंका पैदा हो गई क्या वह अभी पूरी तरह से फिट है या नहीं। भारतीय टीम अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण को लेकर चिंतित है जिसमें ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी शामिल है। उन्होंने जो पिछले 14 ओवर किए हैं उनमें150 रन लुटाए हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार डेथ ओवरों में नहीं चल पा रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तान, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19वें ओवर में गेंद संभाली लेकिन इन तीन ओवरों में उन्होंने 49 रन लुटाए। ऐसी परिस्थितियों में भारत के लिए बुमराह का फिट होना बेहद जरूरी हो गया है।

भारत को ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्वकप से पहले अभी पांच मैच खेलने हैं और इन मैचों में उसे अपनी सभी कमजोरियों को दूर करना होगा। भारत विश्व कप में अपना पहला मैच 23 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा। एशिया कप से पहले जहां भारत के लिए शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों का रवैया परेशानी का सबब बना हुआ था वहीं अब गेंदबाजी उसके लिए चिंता का विषय बन गया है क्योंकि बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों में भारतीय गेंदबाजों की कमजोरी खुलकर सामने आई है। किसी भी तरह की परिस्थिति में भारत के मुख्य स्पिनर रहे यूज़वेंद्र चहल में पहले की तरह मारक क्षमता नहीं दिख रही है।

पिछले कुछ मैचों में वह काफी महंगे साबित हुए हैं। उन्हें उन विकेटों पर भी अच्छा प्रदर्शन करने का तरीका ढूंढना होगा जो कि स्पिनरों के मददगार नहीं होते हैं। रविंद्र जडेजा के चोटिल होने के कारण टीम में लिए गए ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने हालांकि पिछले मैच में तीन विकेट लेकर अपनी काबिलियत साबित की। पिछले मैच में भारत का क्षेत्ररक्षण भी अच्छा नहीं रहा और उसने तीन आसान कैच टपकाए। इसके लिए पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने भी टीम की आलोचना की थी। बल्लेबाजी में आक्रमक रवैए का फायदा मिल रहा है।

पिछले मैच में इसी अंदाज में बल्लेबाजी करके केएल राहुल, हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव ने रन बटोर कर स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया था जबकि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली जल्दी आउट हो गए थे। टीम में फिनिशर की भूमिका निभा रहे दिनेश कार्तिक को पिछले मैच में ज्यादा मौका नहीं मिला और उन्हें यहां अधिक मौका दिया जा सकता है ताकि विश्व कप के लिए विकल्प खुले रहें। दूसरी तरफ आस्ट्रेलिया हर विभाग में सुगठित नजर आ रहा है जबकि उसकी टीम में डेविड वॉर्नर, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस और मिशेल मार्श जैसे खिलाड़ी नहीं है।

वॉर्नर की अनुपस्थिति में पारी का आगाज करने के लिए भेजे गए कैमरन ग्रीन ने अपनी भूमिका शानदार तरीके से निभाई जबकि अनुभवी स्टीवन स्मिथ और ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पहला मैच खेल रहे टिम डेविड ने टीम को मजबूती प्रदान की। मैथ्यू वेड फिनिशर की अपनी भूमिका में खरे उतरे। उन्होंने 21 गेंदों पर नाबाद 45 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। ऑस्ट्रेलिया को हालांकि गेंदबाजी में अधिक अनुशासित प्रदर्शन करना होगा क्योंकि मोहाली में तेज गेंदबाज पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और ग्रीन ने काफी रन लुटाए थे।

यहां विदर्भ क्रिकेट संघ स्टेडियम का विकेट मोहाली से हालांकि भिन्न होगा। विकेट के धीमे होने के संभावना है और ऐसे में गेंदबाजों की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण बन जाती है। शाम को ओस का प्रभाव देखते हुए कोई भी टीम लक्ष्य का पीछा करना बेहतर समझेगी।

झूलन ने मिसाल कायम की: गांगुली

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह युवाओं के लिए रोल मॉडल हैं। उसने कई नये मानदंड कायम किये हैं। झूलन अभी इंग्लैंड दौरे में अपनी अंतिम सीरीज खेल रही हैं। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के अनुसार भारतीय टीम झूलन को शानदार विदायी देने के लिए तैयार है। झूलन पिछले दो दशक से भारतीय टीम की तेज गेंदबाजी की कमान संभाले हुए है। झूलन ने 20 साल के अपने करियर में 12 टेस्ट में 44 विकेट, 202 एकदिवसीय में 253 विकेट और 68 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 56 विकेट लिए हैं। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, 'झूलन एक मिसाल हैं। उन्होंने महिला क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं।महिला क्रिकेट विकास को लेकर झूलन के साथ मेरी काफी बात हुई है। इसके अलावा मैंने स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर के साथ भी बातचीत की थी। '

झूलन महिला क्रिकेट में 350 से ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज के रूप में खेल से संन्यास ले रही हैं। वह महिला एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनी हैं। गांगुली ने कहा, 'अगर मेरी बेटी क्रिकेट खेलना चाहती है, तो मैं उसे झूलन की तरह बनने कहूंगा हालांकि वह नहीं खेलती।'

भारतीय टीम के खिलाफ मैच में आईपीएल के अनुभवों का लाभ मिला: टिम

नागपुर (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज टिम डेविड ने कहा है कि आईपीएल में खेलने का लाभ उन्हें भारतीय टीम के खिलाफ पहले टी20 क्रिकेट मैच में मिला था। सिंगापुर मूल के टिम ने कहा कि आईपीएल के दौरान भारत में मिले खेलने के अनुभव के कारण ही वह पहले टी20 के दौरान दबाव का सामना करने में सफल रहे। टिम ने भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले टी20 में उतरने के साथ ही ऑस्ट्रेलिया की ओर से डेब्यू किया था। उन्होंने कठिन हालातों के बीच भी विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलियाई टीम को भारत के खिलाफ चार विकेट से जीत दिलाई।

टिम को टी20 में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर ही रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने साल 2021 में अपनी टीम में जगह दी थी। इसके बाद मुंबई इंडियंस ने उन्हें नीलामी में 8.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। आईपीएल के दूसरे चरण में उन्हें खेलने का अवसर मिला जिसका इस क्रिकेटर ने पूरा लाभ उठाया। इसी अनुभव के कारण वह ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेलते हुए संयमित नजर आये। इस क्रिकेटर के अनुसार मुझे पता था कि हम लक्ष्य का पीछा करने में सफल रहेंगे। इसमें हमें पिच की भी सहायता मिल रही थी।

आजम सबसे तेजी से 8 हजार रनों के ऊपर पहुंचने वाले दूसरे बल्लेबाज बने

200 रनों के लक्ष्य का पीछा करने में एक भी विकेट नहीं गंवाया पाक सलामी बल्लेबाजों ने

कराची (एजेंसी)।

पाकिस्तान ने बाबर आज़म (110) और मोहम्मद रिज़वान (88) की 203 रन की साझेदारी की बदौलत इंग्लैंड को दूसरे टी20 मैच में गुरुवार को 10 विकेट से मात दी।

इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान को 20 ओवर में 200 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे बाबर की टीम ने तीन गेंदें रहते हुए हासिल कर लिया।

यह बाबर और रिज़वान की सातवीं शतकीय और पहली दोहरी-शतकीय साझेदारी है। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी साझेदारी भी है। इससे पहले बाबर-रिज़वान ने ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले विकेट के लिये 197 रन की साझेदारी करके यह रिकॉर्ड अपने नाम किया था। बाबर ने आलोचकों को शांत करते हुए 66 गेंदों पर 11 चौकों और पांच छक्कों की बदौलत नाबाद 110 रन बनाये, जबकि रिज़वान ने 51 गेंदों पर पांच चौकों और चार छक्कों के साथ 81 रन की नाबाद पारी खेली। बाबर और रिज़वान ने 200 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान को विस्फोटक शुरुआत दिलायी। बाबर ने हाथ खोलने में समय लिया, लेकिन रिज़वान पहली गेंद से ही हमलावर रहे और पाकिस्तान ने पावरप्ले में 59 रन जोड़े। रिजवान को सातवें ओवर में एक जीवनदान भी मिला जब फिलिप सॉल्ट आदिल रशीद की गेंद पर स्टंपिंग से चूक गये। पाकिस्तान को जब आखिरी आठ ओवर में 96 रन रन चाहिये थे तब दोनों ने आक्रामकता का स्तर बढ़ाते हुए मोईन अली द्वारा फेंके गये 13वें ओवर में 21 रन जोड़े। सैम करन ने 18वें ओवर में सिर्फ चार रन देकर पाकिस्तान पर दबाव डालना चाहा, लेकिन ल्यूक वुड के 19वें ओवर में 17 रन जोड़कर पाकिस्तान ने मैच अनौपचारिक रूप से खत्म कर दिया। रिज़वान ने 20वें ओवर की तीसरी गेंद पर चौका लगाकर सात मैचों की श्रृंखला को 1-1 से बराबर किया।सीरीज का तीसरा मैच शुक्रवार को कराची के नेशनल स्टेडियम में खेला जायेगा।

दिलीप टिर्की निर्विरोध हॉकी इंडिया के नए अध्यक्ष बने

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान दिलीप टिर्की को शुक्रवार को निर्विरोध हॉकी इंडिया का नया अध्यक्ष चुन लिया गया। हॉकी इंडिया के चुनाव एक अक्टूबर को होने थे लेकिन नतीजे पहले ही घोषित कर दिए गए क्योंकि किसी पद के लिए कोई उम्मीदवार नहीं था जिससे महासंघ के संविधान के तहत निवर्तमान उम्मीदवार ही निर्विरोध चुने गए। उत्तर प्रदेश हॉकी संघ के प्रमुख राकेश कत्याल और हॉकी झारखंड के भोला नाथ सिंह के नाम वापिस लेने के बाद टिर्की को अध्यक्ष चुना गया। भोला नाथ महासचिव चुने गए। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने टिर्की और उनकी टीम के चुनाव को मंजूरी दे दी है। एफआईएच ने एक पत्र में लिखा कि जब किसी पद के लिए उम्मीदवार पद की संख्या से कम या बराबर हों तो माना जाता है कि उन्हें निर्विरोध चुना गया है। इसमें कहा गया कि इसलिए हमें यह देखकर खुशी हो रही है कि हॉकी इंडिया का कार्यकारी बोर्ड चुन लिया गया है जिसकी जानकारी हॉकी इंडिया की वेबसाइट पर है और सभी पदों के लिये चुनाव निर्विरोध हुए।

यशस्वी दलीप ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले चौथे खिलाड़ी बने

मुम्बई। यशस्वी जायसवाल ने पश्चिमी क्षेत्र की ओर से खेलते हुए दलीप ट्रॉफी के फाइनल में शानदार शतक लगाकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इसी के साथ ही यशस्वी दलीप ट्रॉफी में शतक लगाने वाले चौथे सबसे युवा बल्लेबाज बने हैं। यशस्वी ने 119 गेंदों में यह शतक लगाया।

इस बल्लेबाज ने 20 साल और 269 दिन की उम्र में दलीप ट्रॉफी में शतक लगाया है। इससे पहले सबसे कम उम्र में दलीप ट्रॉफी में शतक लगाने का रिकार्ड पृथ्वी शॉ, रवि शास्त्री और अजिंक्य रहाणे के नाम पर ही था। पृथ्वी ने साल 2017-18 में इंडिया ब्लू के खिलाफ 17 साल और 320 दिन में शतक लगाया था। इस प्रकार वह सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बने थे। वहीं दूसरे नंबर पर शास्त्री हैं। शास्त्री ने साल 1981-82 में पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ 19 साल और 162 दिन की उम्र में शतक लगाया था। वहीं तीसरे स्थान पर रहे रहाणे ने रहाणे ने साल 2008-09 में दक्षिणी क्षेत्र के खिलाफ 20 साल और 244 दिन की उम्र में शतक बनाया था। अब इस सूची में यशस्वी भी शामिल हो गये हैं। यशस्वी की इस प्रारी से पश्चिमी क्षेत्र ने दो विकेट पर 269 रन बनाये। वहीं पहली पारी में पश्चिमी क्षेत्र ने 270 रन बनाये थे। दूसरी ओर बी इंद्रजीत की 118 रनों की पारी से पूर्वी क्षेत्र ने 327 रन बनाये।

अगले साल से अपने पुराने प्रारूप में लौटेगा आईपीएल, गांगुली ने की पुष्टि

मुबई (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के सत्र से कोविड-19 से पहले के अपने मूल प्रारूप में वापसी करेगा, जिसमें टीमें अपने घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान पर मैच खेलती थी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने इस संबंध में बोर्ड से मान्यता प्राप्त इकाइयों को अवगत करा दिया है। वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी फैलने के कारण आईपीएल कुछ स्थानों पर ही आयोजित किया गया। वर्ष 2020 में इसका आयोजन संयुक्त अरब अमीरात के तीन स्थानों दुबई, शारजाह और अबुधाबी में खाली स्टेडियमों में किया गया था। वर्ष 2021 में इस टी-20 टूर्नामेंट का आयोजन चार स्थानों दिल्ली, अहमदाबाद, मुंबई और चेन्नई में किया गया। लेकिन अब महामारी नियंत्रण में है और इसलिए यह लीग घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान के पुराने प्रारूप में खेली जाएगी। गांगुली ने राज्य इकाइयों को भेजे गए संदेश में कहा,'' आईपीएल को अगले साल से घरेलू मैदान और विरोधी टीम के मैदान पर मैच खेलने के प्रारूप में आयोजित किया जाएगा। सभी 10 टीमें अपने घरेलू मैच अपने तय स्थल पर खेलेंगी।'' बीसीसीआई 2020 के बाद पहली बार अपना पूर्ण घरेलू सत्र का आयोजन कर रहा है जिसमें टीमें घरेलू और विरोधी टीम के मैदान के पुराने प्रारूप में खेल रही हैं। बीसीसीआई इसके अलावा अगले साल के शुरू में बहु प्रतीक्षित महिला आईपीएल का आयोजन करने की भी योजना बना रहा है। पीटीआई ने पिछले महीने रिपोर्ट दी थी कि महिला आईपीएल का आयोजन दक्षिण अफ्रीका में होने वाले महिला टी20 विश्व कप के बाद मार्च में किया जा सकता है। गांगुली ने 20 सितंबर को भेजे गए संदेश में कहा,'' बीसीसीआई अभी बहुप्रतीक्षित महिला आईपीएल के आयोजन पर काम कर रहा है। इसका पहला सत्र अगले साल के शुरू में आयोजित किया जा सकता है।'' महिला आईपीएल के अलावा बीसीसीआई लड़कियों के अंडर-15 एक दिवसीय टूर्नामेंट को 26 दिसंबर से 12 जनवरी के बीच आयोजित करने जा रहा है। इसके मैच बेंगलुरू, रांची, राजकोट, इंदौर, रायपुर और पुणे में खेले जायेंगे। बोर्ड ने आमसभा की सालाना बैठक 18 अक्टूबर को कराने की भी पुष्टि की। यह बैठक मुंबई में होगी।

जोकोविच को ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए अनुमति मिलने की उम्मीदें

लंदन । सर्बियाई टेनिस स्टार नेवाक जोकोविच को उम्मीद है कि वह अगले साल की शुरुआत में होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस में खेल सकेंगे। जोकोविच को कोरोना टीकाकरण नहीं कराने के कारण इस साल हुए ऑस्ट्रेलियाई ओपन में शामिल नहीं किया गया था। उन्हें ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद भी देश से बाहर कर दिया गया था। जोकोविच को इस बार आयोजकों से अच्छे संदेश की उम्मीद है हालांकि अभी तक आयोजकों ने उन्हें वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में शामिल करने को लेकर कोई बात नहीं कही है। जोकोविच ने कहा, ''यह वास्तव में मेरे हाथ में नहीं है। इसलिए मैं सकारात्मक संदेश की उम्मीद कर रहा हूं।'' इस स्टार खिलाड़ी के नाम पर कुल 21 ग्रैंडस्लैम एकल खिताब दर्ज हैं ओर वह दूसरे नंबर पर हैं जबकि स्पेन के राफेल नडाल के नाम सबसे ज्यादा 22 खिताब हैं। जोकोविच ने रिकॉर्ड नौ बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब हासिल किया है। ऑस्ट्रेलिया ने जुलाई से अपने सख्त सीमा संबंधी नियमों में बदलाव कर दिया था। जिससे लोगों को कोविड-19 टीकाकरण का सबूत या कोविड-19 के परीक्षण की नेगेटिव रिपोर्ट पेश नहीं करनी पड़ रही है। जिसके बाद से ही जोकोविच को उम्मीद बन गयी है कि अगले साल वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन खेल पायेंगे।

टी-20 विश्व कप जीतना भारत के लिए मुश्किल- आकाश चोपड़ा

बेंगलुरू।(एजेंसी)।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने सोशल मीडीया पर वीडियो शेयर कर दावा किया है कि भारत के टी-20 विश्व कप जीतने की उम्मीदें इस बार कम हैं। उन्होंने कमजोर बॉलिंग अटैक का जिक्र भी किया। चोपड़ा ने कहा- हम सोच रहे हैं कि चोटिल जसप्रीत बुमराह और दीपक चाहर के टीम में वापस आ जाने से सब ठीक हो जाएगा लेकिन यह मुश्किल है। बुमराह अकेले कुछ नहीं कर सकते। इस साल मुंबई इंडियंस में बुमराह अकेले विकेट टेकिंग गेंदबाज थे और आप देख सकते हैं कि मुंबई का इस आईपीएल में क्या हाल हुआ। चोपड़ा ने कहा कि भारत का बॉलिंग लाइनअप बहुत कमजोर है और एक अच्छे गेंदबाज के तौर पर आप एक मैच में 5-6 विकेट ले सकते हैं लेकिन हर मैच में यह नहीं होगा। उनका कहना है कि सच्चाई यही है कि आप कमजोर बॉलिंग लाइनअप से विश्व कप नहीं जीत सकते, हमारे पास विकेट टेकिंग गेंदबाजों के विकल्प बहुत कम हैं। चोपड़ा ने स्पिनर युजवेंद्र चहल का भी जिक्र करते हुए कहा कि चहल तेज गेंद फेंक रहे हैं, आप जब तक स्लोयर वन नहीं फेकेंगे तो विकेट कैसे आएगी।

फ्रांस की जीत में चमके काइलन एमबापे, क्रोएशिया, नीदरलैंड और बेल्जियम भी जीते

पेरिस। काइलन एमबापे ने अपने एकल प्रयास से फिर गोल दागा जबकि ओलिवियर गिरौड ने भी गोल किया जिससे फ्रांस ने नेशंस लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के एक मैच में ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराया। एमबापे ने गुरुवार को खेले गए मैच में खेल के 56वें मिनट में 3 रक्षकों को छकाकर गोल दागा। यह उनका अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 28वां गोल है। इससे पहले गिरौड ने अपने करियर का 49वां गोल किया और वह थियरे हेनरी के 51 गोल के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से केवल दो गोल पीछे हैं। फ्रांस नेशंस लीग में खिताब की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुका है लेकिन क्रोएशिया, बेल्जियम और नीदरलैंड ने अपने मैच जीतकर खुद को अंतिम 4 में जगह बनाने की दौड़ में बनाए रखा जिसके मैच अगले साल जून में होंगे। क्रोएशिया ने डेनमार्क को 2-1 से, नीदरलैंड ने पोलैंड को 2-0 से और बेल्जियम ने वेल्स को 2-1 से हराया।

टेनिस स्टार रोजर फेडर लीवर कप से पहले संन्यास से जुड़े सवालों का करेंगे खुलासा

लंदन (एजेंसी)।

टेनिस के शीर्ष खिलाड़ी स्विस स्टार रोजर फेडरर अपने करियर के अंतिम प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट लीवर कप से पहले मीडिया के साथ प्रेस काफ्रेंस में अपने संन्यास से जुड़े सवालों का खुलासा करेंगे। फेडरर इस समय लंदन में हैं और लीवर कप से पहले अभ्यास कर रहे हैं। यह टूर्नामेंट उनकी प्रबंधन टीम द्वारा आयोजित किया जाता है, जो शुक्रवार से शुरू होगा। इसके पांचवें चरण में टीम यूरोप का सामना टीम विश्व से होगा।

फेडरर के करियर में मुख्य प्रतिद्वंद्वी रहे राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच और एंडी मर्रे भी इसमें हिस्सा लेंगे। फेडरर लीवर कप शुरू होने से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया से मुखातिब होंगे और 1990 से शुरू हुए करियर के समापन के संबंध में सवालों के जवाब देंगे। 41 साल के इस खिलाड़ी ने 2020 तक 20 ग्रैंडस्लैम चैम्पियनशिप और अन्य टूर्नामेंट में 83 खिताब अपने नाम कर लिए थे।

ज्ञात हो कि स्विट्जरलैंड के टेनिस स्टार रोजर फेडरर ने बीते गुरुवार को पेशेवर टेनिस से संन्यास लेने की घोषणा की और कहा कि अगले हफ्ते लंदन में लीवर कप उनका 'विदाई टूर्नामेंट' होगा। यह खबर अमेरिकी ओपन के समाप्त होने के बाद आई है, जिसे 23 बार की मेजर चैम्पियन सेरेना विलियम्स के करियर का अंतिम टूर्नामेंट माना जा रहा है। अपने समय के दो सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के एक साथ खेल को अलविदा कहने से टेनिस में एक युग का समापन हो जाएगा। फेडरर ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिये कहा, 'आप में से बहुत से लोग जानते हैं कि पिछले तीन वर्षों में मैंने चोट और सर्जरी के रूप में कई चुनौतियों का सामना किया है। मैंने पूर्ण रूप से खेल में लौटने के लिए कड़ी मेहनत की है। मैं हालांकि अपने शरीर की क्षमता और सीमा को भी जानता हूं। इसका स्पष्ट संदेश मुझे हाल ही में मिला।'

फेडरर ने 41 साल की उम्र में टेनिस को अलविदा कहने का फैसला किया। 20 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके फेडरर जुलाई 2021 में विम्बलडन में खेलने के बाद कोर्ट पर नहीं उतरे हैं। इसके बाद उनके घुटने की कई सर्जरी हुई, इसे देखते हुए यह खबर हैरान करने वाली नहीं थी। फेडरर इस साल जुलाई में आल इंग्लैंड क्लब में सेंटर कोर्ट के 100 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए थे और तब उन्होंने कहा था कि उन्हें एक और बार वहां खेलने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा था कि वह अक्टूबर में स्विस इंडोर में टूर्नामेंट में खेलेंगे।

फेडरर ने ट्विटर पर पोस्ट किया कि अगले हफ्ते लंदन में लीवर कप उनका अंतिम पेशेवर टूर्नामेंट होगा। यह एक टीम स्पर्धा है जिसे उनकी प्रबंधन कंपनी आयोजित करती है। फेडरर का अंतिम मैच सात जुलाई 2021 में था, जब वह सेंटर कोर्ट पर विम्बलडन क्वार्टरफाइनल में हुबर्ट हुर्काज से हार गये थे। इसके तुरंत बाद फेडरर के दाहिने घुटने की सर्जरी हुई जो डेढ़ साल में उनके घुटने का तीसरा ऑपरेशन था। फेडरर की पत्नी मिर्का भी टेनिस खिलाड़ी रही है। दोनों पहली बार ओलंपिक में थे। इनके दो जुड़वां (चार) बच्चे है।

दुनिया के महानतम खिलाड़ियों में से एक फेडरर ने टूर स्तर के 103 खिताब जीते है। एकल मैचों में 1,251 जीत के साथ वह 1968 में शुरू हुए ओपन युग में जिमी कॉनर्स के बाद दूसरे स्थान पर हैं। फेडरर के रिकॉर्ड की लंबी फेहरिस्त में सबसे अधिक उम्र में एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचना शामिल है। उन्होंने 2018 में 36 साल की उम्र में पहले स्थान पर वापसी की थी। फेडरर ने 2003 में विम्बलडन के तौर पर जब अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीता था तब पुरुषों में सबसे ज्यादा एकल ग्रैंड स्लैम का रिकॉर्ड पीट सैम्प्रास का था। उन्होंने 14 ऐसे खिताब जीते थे।

कोच ने दी थी हरमनप्रीत को स्वाभाविक खेल खेलने की सलाह

लंदन । कप्तान हरमनप्रीत कौर के शानदार शतक से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां मेजबान इंग्लैंड को दूसरे एकदिवसीय मैच में 88 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की है। हरमनप्रीत ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 111 गेंद में 143 रन बनाये। इस प्रकार 23 साल के बाद भारतीय टीम ने इंग्लैंड में एकदिवसीय सीरीज जीती है। हरमनप्रीत के अच्छे प्रदर्शन में कोच यदविंदर सिंह सोढ़ी की अहम भूमिका रही।

कोच ने कहा कि इससे पहले साल 2017 विश्वकप में हरमनप्रीत ने शानदार बल्लेबाजी कर 171 रन बनाये थे। तब मैंने अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा था। हमप्रीत का पिछले कुछ समय में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा पर राष्ट्रमण्डल खेलों से उसने फिर लय हासिल कर ली। कोच के अनुसार तब भी मैंने हरमनप्रीत को सलाह थी की वह टूर्नामेंट में अपनी आक्रामक शैली में खेलें।

मोदी के भाषणों पर आधारित पुस्तक का वेंकैया नायडू ने किया विमोचन

अनुराग ठाकुर ने विपक्षी नेताओं को दी पढ़ने की सलाह

नई दिल्ली, 23 सितम्बर (एजेन्सी)। शुक्रवार को नई दिल्ली के आकाशवाणी भवन में देश के पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चयनित भाषणों का संग्रह सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास का विमोचन किया गया।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने देश के विपक्षी दलों के नेताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनिंदा भाषणों के संकलन वाली किताब – 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' गंभीरता से पढ़ने की सलाह देते हुए कहा है कि इस किताब को पढ़ने से उन्हें अपने आधे से ज्यादा सवालों के जवाब मिल जाएंगे।

ठाकुर ने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बोलने का अंदाज ऐसा है कि सिर्फ उनके समर्थक ही नहीं बल्कि कांग्रेस और लेफ्ट जैसे विरोधी दल भी उनके भाषण को बहुत ही ध्यान से सुनते हैं कि कब मोदी कोई चूक करें, कोई गलती करें और उन्हे बवाल मचाने का मौका मिल सके। लेकिन शब्दों पर शानदार, जमीनी और मजबूत पकड़ रखने वाले मोदी उन्हे ऐसा कोई मौका ही नहीं देते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विकास गाथा और देश के 130 करोड़ लोगों के उन पर अटूट विश्वास का जिक्र करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि इस पुस्तक में 10 अलग-अलग विषयों पर प्रधानमंत्री मोदी के 86 भाषणों को संकलित किया गया है। उनके नेतृत्व में भारत, इंग्लैंड को पछाड़ कर दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बनी। सांस्कृतिक धरोहर को बचाने के साथ-साथ मोदी ने नई अर्थव्यवस्था को खड़ा करने का काम किया। पर्यावरण, खेल, रोजगार, व्यापार, अर्थव्यवस्था, आयुष्मान भारत, मेडिकल सहित तमाम क्षेत्रों में भारत ने अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की, तीन तलाक को खत्म किया और जम्मू-कश्मीर से हमेशा के लिए 370 और 35ए को भी खत्म करने का काम किया।

जिस जम्मू-कश्मीर में तिरंगा फहराने पर 2011 में उन्हें, अरूण जेटली और सुषमा स्वराज को गिरफ्तार कर लिया गया था। भारत के उसी अभिन्न अंग जम्मू-कश्मीर में हर घर तिरंगा अभियान के तहत इस बार घर-घर में तिरंगा फहराया गया।

शुक्रवार को नई दिल्ली के आकाशवाणी भवन में देश के पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चयनित भाषणों का संग्रह सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास का विमोचन किया गया। इस विमोचन के दौरान अनुराग ठाकुर और केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के अलावा कई अन्य विशिष्ट और गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

यह संग्रह विभिन्न विषयों पर मई 2019 से मई 2020 तक प्रधानमंत्री के 86 भाषणों पर केंद्रित है। दस विभिन्न विषयों पर प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए ये भाषण 'न्यू इंडिया' के उनके दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। इसमें आत्मनिर्भर भारत: अर्थव्यवस्था, जन-प्रथम शासन, कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई, उभरता भारत: विदेशी मामले, जय किसान, टेक इंडिया-न्यू इंडिया, हरित भारत-सहनशील भारत-स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत-सक्षम भारत, सनातन भारत-आधुनिक भारत: सांस्कृतिक विरासत और मन की बात से जुड़े उनके भाषणों को शामिल किया गया है।

पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में बोलते हुए केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति दिलाने का ऐतिहासिक काम किया जिसे करने का साहस देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने भी नहीं कर पाए थे।

उन्होने कहा कि मोदी की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वो राजनीतिक दलों की संकुचित सोच से आगे जाकर काम करते हैं और विरोधी दलों के नेताओं को भी श्रेय देते हैं।

पुस्तक के विमोचन के बाद बोलते हुए पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और भारत के प्रति उनकी सोच की तारीफ करते हुए कहा कि वो आत्मनिर्भर और विश्वास से भरा भारत बनाना चाहते हैं और इसके लिए मजबूती से और ईमानदारी से कदम उठाते हैं ताकि भारत के लोग तरक्की करें और खुश रहें। उन्होने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत एक बार फिर से विश्वगुरू बनने की ओर अग्रसर है।

मंत्री एलबी दास ने किया पब्लिक यूटीलिटी बिल्डिंग का उद्घाटन

अनुगामिनी नि.सं.

नामची, 23 सितम्बर। सिक्किम के शहरी विकास मंत्री एलबी दास ने शुक्रवार को स्थानीय किसान बाजार में पब्लिक यूटीलिटी बिल्डिंग का उद्घाटन किया। इस अवसर पर शहरी विकास विभाग अध्यक्ष केबी राई, स्मार्ट सिटी लि. सलाहकार जीटी ढुंगेल, नामची की अतिरिक्त राजनीतिक सचिव सुश्री अंजिता राजालिम, नामची नगर परिषद चेयरपर्सन गणेश राई, यूडीडी सचिव एमटी शेर्पा, नामची स्मार्ट सिटी सीईओ थुप्देन ग्याछो भूटिया एवं अन्य विभागीय अधिकारी तथा काउंसिलर उपस्थित थे।

उद्घाटन के बाद मंत्री ने पब्लिक यूटीलिटी भवन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने उन्हें भवन के निर्माण, गुणवत्ता और स्थानीय दुकादनदारों द्वारा उपयोग किये जाने के बारे में जानकारी मुहैया करायी। यहां स्मार्ट सिटी लि. के सलाहकार जीटी ढुंगेल ने कहा कि इस ढांचागत विकास से स्थानीय दुकानदार सुचारूपूर्वक अपना व्यवसाय कर पायेंगे जिससे इलाके का आर्थिक विकास सुनिश्चित होगा।

उन्होंने इस भवन को साफ-सुथरा एवं सुरक्षित रखने में प्रशासन के साथ ही स्थानीय निवासियों की भी भूमिका का जिक्र किया। साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहरी विकास योजनाओं को लागू करने की दिशा में प्रतिबद्ध है।

वहीं यूडीडी सचिव एमटी शेरपा ने इस ढांचागत कार्य को बहूउद्देशीय तकनीक के माध्यम से किये जाने की जानकारी देते हुए कहा कि यह भवन कई सारी सुविधाओं से लैस है। इसके साथ ही भवन की तकनीकी जानकारी देते हुए मुख्य अभियंता शैलेन्द्र शर्मा ने बताया कि इस भवन को तीन अलग-अलग ब्लॉकों में तैयार किया गया है। इनमें ऑफिस ब्लॉक, हाटा बाजार ब्लॉक और पार्किंग ब्लॉक शामिल हैं। ऑफिस ब्लॉक में शहरी विकास विभाग के कार्यालय के साथ ही एसबीआई सिक्किम एवं अन्य विभागों के कार्यालय हैं। उन्होंने बताया कि भूमितल के अलावा सात मंजिला इस किसान बाजार भवन में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किये गये हैं। किसानों की सुविधा हेतु इसमें एक कोल्ड स्टोरेज भी है। इसके अलावा इसमें लिफ्ट, जल आपूर्ति तथा निकासी, सीसीटीवी, कचरा प्रबंधन एवं कई अन्य सुविधाएं भी दी गयी हैं।

बताया गया है कि नामची स्मार्ट सिटी लि. द्वारा निर्मित इस भवन में कुल 18 कमरे हैं। वहीं आज के कार्यक्रम के दौरान नामची के विभिन्न वार्डों के छह लोगों को किफायती आवास योजना के तहत घर भी प्रदान किये गये। इस दौरान शहरी विकास विभाग द्वारा इस भवन को नामची नगर परिषद को सौंप दिया गया। वहीं कई अन्य लाभान्वितों को भी अलॉटमेंट दिये गये।

अमित शाह 07 को आएंगे सिक्किम, एनसीडीएफआई के सम्मेलन में लेंगे हिस्सा

अनुगामिनी नि.सं.

गंगटोक, 23 सितम्बर। केंद्रीय गृह तथा सहकारिता मामलों के मंत्री अमित शाह आगामी 7 अक्टूबर को सिक्किम की राजधानी गंगटोक में नेशनल कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एनसीडीएफआई) द्वारा आयोजित पूर्वी एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र दुग्ध सहकारिता कॉन्क्लेव का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में आयोजक राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) सम्मानित अतिथि होंगे। उनके अलावा कार्यक्रम में सहकारिता राज्य मंत्र बीएल वर्मा के अलावा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं सिक्किम सरकार के मंत्री एवं अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

एनसीडीएफआई के चेयरमैन मंगलजीत राई ने आज यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्थानीय समुदायों की बेहतरी हेतु सहकारिता प्रणाली को मजबूत बनाने की दिशा में 'पूर्वी एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र दुग्ध सहकारिता-चुनौतियों एवं अवसरों की खोज' की इस कॉन्क्लेव का मुख्य उद्देश्य है। राई ने आगे बताया कि कॉन्क्लेव में आणंद, गुजरात से राष्ट्रीय दुग्ध विकास बोर्ड के अध्यक्ष के अलावा नाबार्ड, एनसीडीसी, आईआरएमए, डेयरी किसान नेतागण, पूर्वी व पूर्वोत्तर राज्यों के कोऑपरेटिव मिल्क यूनियनों एवं स्टेट डेयरी फेडरेशनों के प्रतिनिधिगण भी शामिल होंगे। उनके अनुसार इस कॉन्क्लेव में कुल 12 राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, बिहार, झारखंड, ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल से करीब 1200 प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है।

एनसीडीएफआई चेयरमैन राई ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया अभियान से प्रेरणा लेकर एनसीडीएफआई नेशनल डेयरी विकास बोर्ड की देखरेख में विभिन्न मिल्क यूनियनों की सुविधा हेतु 'एनसीडीएफआई ईमार्केट' नामक एक ऑनलाइन ख्लेटफार्म की शुरुआत की है। इस पर डेयरी उत्पादों की कीमत सर्वमान्य होगी जिसे पशुपालन मंत्रालय द्वारा नियमित देखरेख की जायेगी। उनके अनुसार वित्ता वर्ष 2021-22 के दौरान एनसीडीएफआई ने ईमार्केट के माध्यम से कुल 4815 करोड़ का व्यवसाय किया है। इसमें 1406 करोड़ रुपए के दूध व दुग्ध उत्पादों की बिक्री और 84 करोड़ रुपए की 4.37 करोड़ फ्रोजन सीमन डोज की बिक्री शामिल है।

अंकिता हत्याकांड मामले में बीजेपी नेता के बेटे सहित 2 अन्य गिरफ्तार

ऋषिकेश, 23 सितम्बर (एजेन्सी)। लक्ष्मणझूला पुलिस ने अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में मुख्य अभियुक्त वनंतरा रिजॉर्ट के मालिक पुलकित सहित 2 अन्य अभियुक्तों को गिरफ्तार कर केस वर्कआउट कर लिया है।

विगत 5 दिनों से गुमशुदा चल रही अंकिता भंडारी मामले में पुलिस ने खुलासा कर दिया है, पुलिस ने आरोपी रिसोर्ट मालिक पुलकित आर्य समेत दो अन्य अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जिसके बाद आरोपियों ने खुलासा किया है कि उनके द्वारा अंकिता भंडारी को सुनसान जगह पर ले जाकर शराब पिलाई और तत्पश्चात शराब के नशे में हत्या कर उसका शव नहर में फेंक दिया, पुलिस द्वारा अंकिता भंडारी का शव खोजा जा रहा है।

अंकिता भंडारी हत्या मामले में लोगों में आक्रोश है। आक्रोशित ग्रामीणों ने रिजॉर्ट तोड़फोड़ करते हुए आग लगाने की कोशिश की। ऐसे में मौके पर मौजूद भारी पुलिस बल ने बमुश्किल ग्रामीणों को रोका है। खबर आ रही है कि ग्रामीणों ने पुलकित आर्य को कोर्ट ले जा रही पुलिस की गाड़ी को रोककर उसमें तोड़फोड़ की, इसके साथ ही आरोपियों की भी पिटाई की गई।

उल्लेखनीय है कि ग्राम श्रीकोट, पट्टी नादलस्यूं, पौड़ी गढ़वाल निवासी 19 वर्षीय अंकिता भण्डारी की गुमशुदगी के सम्बन्ध में राजस्व पुलिस चौकी उदयपुर तल्ला में 6 दिन पहले मुकदमा पंजीकृत हुआ था। जिलाधिकारी पौड़ी गढ़वाल द्वारा उपरोक्त मुकदमा 22 सितम्बर को राजस्व पुलिस से थाना लक्ष्मणझूला पुलिस को स्थानान्तरित किया गया।

गौर हो कि रिजॉर्ट से लापता हुई अंकिता भंडारी मामले का खुलासा हो गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार उसकी हत्या करके उसको चीला बैराजद में फेंक दिया गया था।

बता दें कि पहले यह मामला राजस्व पुलिस के पास था लेकिन मामले की गंभीरता को देखते हुए इसके बाद इसे लक्ष्मण झूला पुलिस को ट्रांसफर के गया था, जिसके बाद मामले में लक्ष्मणझूला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। बेटी की हत्या की खबर के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है अंकिता दवे शुद्ध हो गए और न्याय की गुहार लगा रहे हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य, मैनेजर अंकित सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। सूत्रों की मानें तो गिरफ्तार तीनों आरोपियों ने कई राज उगले हैं। पुलिस इस मामले की जल्द खुलासा कर सकती है। अंकिता के परिवार का रो रोकर बुरा हाल है।

आपको बता दें कि पुलकित आर्य बीजेपी के वरिष्ठ नेता का बेटा बताया जा रहा है जो कि उत्तराखंड सरकार में राज्य मंत्री रह चुके हैं। लड़की के दोस्तों से हुई बातचीत में पता चला है कि रिजॉर्ट के मालिक व किसी कर्मचारी द्वारा लड़की को किसी स्पेशल गेस्ट को विशेष सेवा ऑफर करने की बात की गई। लड़की ने मना किया और अंकिता गायब हो गई। अब सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है कि अंकिता हैवानों की हैवानियत का शिकार हुई है। अंकिता के व्हाट्सएप चैट से कई खुलासे हुए हैं।

वनंतरा रिसोर्ट के कर्मचारी के अनुसार 18 सितंबर को शाम छः बजे के आसपास एक घंटे तक अंकिता के रूम में था पुलकित, अंकिता रो रही थी और हेल्प-हेल्प चिल्ला रही थी, उसके बाद पुलकित, अंकित और सौरभ उसे दुपहिया में बैठा के ऋषिकेश की ओर ले गये और जब वापस आये तो अंकिता इनके साथ नहीं थी, चीला बैराज की सीसीटीवी फुटेज चेक की गई है। अंकिता केस को सुलझाने में अहम कड़ी हो सकती है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए लक्ष्मणझूला पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के अन्दर मुख्य अभियुक्त वनंतरा रिजॉर्ट के मालिक पुलकित सहित 02 अन्य अभियुक्तों को गिरफ्तार कर केस वर्कआउट कर लिया गया है।

पौड़ी के डोभ श्रीकोट की लड़की के रहस्यमय तरीके से गायब होने के प्रकरण की रेगुलर पुलिस को जांच सौंप दी गई थी। जिसके बाद पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही थी। जनपद पौड़ी के गंगाभोगपुर में स्थित एक रिजॉर्ट से रहस्यमय परिस्थितियों में डोभ श्रीकोट की रहने वाली लड़की के लापता होने के मामले में अब जांच राजस्व से रेगुलर पुलिस को सौंप दी गयी है। जिसके बाद मामले में लक्ष्मणझूला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। श्रीनगर सीओ श्याम दत्त नौटियाल के अनुसार पुलिस ने रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य, मैनेजर अंकित सहित तीन लोगों को अरेस्ट कर लिया है।

वनंतरा रिजॉर्ट का मालिका पुलकित आर्य पूर्व राज्य मंत्री भाजपा विनोद आर्य का बेटा है। यह पुलकित आर्य लॉकडाउन में भी विवादों में आया था। जब उत्तर प्रदेश के विवादित नेता अमरमणि त्रिपाठी के साथ उत्तरकाशी में प्रतिबंधित क्षेत्र में पहुंच गया था। अमरमणि त्रिपाठी पर मधुमिता शुक्ला की हत्या का आरोप है। मधुमिता शुक्ला की हत्या के आरोप में अमरमणि त्रिपाठी 14 साल तक जेल में रहा है।

असम के राज्यपाल पहुंचे सिक्किम

राजभवन में अपने समक्ष गंगा प्रसाद से की मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 सितम्बर। असम के राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी 23 से 25 सितंबर तक सिक्किम के दौरे पर हैं। आज शाम गंगटोक पहुंचने पर, उन्होंने सिक्किम के राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद से राजभवन में मुलाकात की।

उनके साथ उनकी पत्नी, प्रथम महिला श्रीमती प्रेम मुखी भी हैं। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले), मुख्य सचिव वीबी पाठक, पुलिस महानिदेशक सुधाकर राव और मुख्यमंत्री के सचिव एसडी ढकाल ने राजभवन में उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। प्रो. जगदीश मुखी असम के 30वें राज्यपाल हैं और उन्होंने 10 अक्टूबर, 2017 को अपना पद ग्रहण किया था।

असम के राज्यपाल के रूप में नियुक्ति से पूर्व श्री मुखी अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल थे।

एनजेपी-दार्जिलिंग के बीच चलेगी एससी पैसेंजर ट्रेन

अनुगामिनी नि.सं.

दार्जिलिंग, 23 सितम्बर। पूर्वोत्तर सीमा रेल ने दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे के न्यू जलपाईगुड़ी-दार्जिलिंग-न्यू जलपाईगुड़ी खंड के बीच दोनों दिशाओं में एक नयी त्रि-साप्ताहिक एसी पैसेंजर ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने इस आशय की जानकारी दी।

ट्रेन संख्या 52539 (न्यू जलपाईगुड़ी-दार्जिलिंग) एसी पैसेंजर ट्रेन 26 सितंबर, 2022 से प्रति सोमवार, बुधवार और शनिवार को न्यू जलपाईगुड़ी से 10:00 बजे रवाना होगी और उसी दिन 18:30 बजे दार्जिलिंग पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 52538 (दार्जिलिंग-न्यू जलपाईगुड़ी) एसी पैसेंजर ट्रेन 27 सितंबर, 2022 से प्रति मंगलवार, गुरुवार और रविवार को दार्जिलिंग से 09:10 बजे रवाना होगी और उसी दिन 16:35 बजे न्यू जलपाईगुड़ी पहुंचेगी।

दोनों तरफ की यात्रा के दौरान एसी पैसेंजर ट्रेन सिलीगुड़ी जंक्शन, सुकना, रंगटंग, तिनधरिया, गयाबाड़ी, महानदी, कार्सियांग, टुंग, सोनादा और घुम स्टेशनों पर रुकेगी। यह 15 सीटों वाली 01 एसी विस्टाडोम कोच और 08 सीटों वाली 01 एसी रेस्तरां सह पावर कार के साथ संयोजित होगी।

इस ट्रेन का ठहराव तथा समय-सूची का विवरण आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है तथा विभिन्न समाचार पत्रों एवं पूसी रेल के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर भी अधिसूचित की गई है। यात्रियों से अपनी यात्रा शुरू करने से पहले इन विवरणों पर ध्यान देने का अनुरोध किया गया है।

रंगीत पावर स्टेशन में रक्तदान शिविर का आयोजन

अनुगामिनी नि.सं.

गंगटोक, 23 सितम्बर। रंगीत पावर स्टेशन, एनएचपीसी लिमिटेड के द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 21 सितंबर को प्रोजेक्ट हॉस्पिटल में गेजिंग जिला हॉस्पिटल के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

रंगीत पावर स्टेशन के प्रमुख श्री सुधीर कुमार यादव,समूह महाप्रबंधक के द्वारा इस शिविर का उदघाटन किया गया। इस अवसर पर रंगीत पावर स्टेशन के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी, आईआरबीएन के स्टाफ, गेजिंग जिला हॉस्पिटल के डॉक्टर व टीम एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुये समूह महाप्रबंधक ने कहा कि रक्तदान महादान है। कोविड-19 महामारी तथा अन्य महामारी के इस दौर में रक्त की आवश्यकता बहुत बढ़ गयी है, अत: ज्यादा-से-ज्यादा रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाना चाहिए। महामारी के इस दौर में एनएचपीसी इस तरह के शिविर को आयोजित करने के लिए कटिबद्ध है।

इस अवसर पर परियोजना अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. एनएम प्रसाद की ओर से उपस्थित लोगों को रक्तदान और इससे जुड़ी भ्रांतियों के बारे में विस्तृत जानकारी भी दी गयी। इस रक्तदान शिविर में कुल 30 लोगों ने रक्तदान किया।

डियर साप्ताहिक लॉटरी कोलकाता निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

कोलकाता, पश्चिम बंगाल के श्री अमिताभ सामंत ने **20.08.2022** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नम्बर **54G 72881** है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज़ क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार विजेता टिकट जमा कर दी है। "जब मुझे यह मालूम चला कि मैंने डियर लॉटरी से पुरस्कार राशि में एक करोड़ रुपए जीत लिए हैं, तो मेरी खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा। यह बेहतरीन अवसर प्रदान करने के लिए मैं नागालैंड स्टेट लॉटरीज तथा डियर लॉटरी के प्रति अपना आभार प्रकट करना चाहता हूं। इन्हें इसी तरह और करोड़पति बनाते रहना चाहिए।" विजेता ने कहा। डियर लॉटरी के ड्रॉ लाइव दिखाए जाते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com